गुस्ताखी माफ

राजनीति मत कीजिए, भाषा का ले नाम।
हो जातीं इस फेर में, भाषाएं बदनाम।
भाषाएं बदनाम, किस लिए होना क्रेजी।
मां-बोली के साथ, सीख हिंदी-अंग्रेजी।
कह साहिल कविराय, त्रिभाषा का विश्लेषण।
लोकल-देश-विदेश, मजे से कर संप्रेषण।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

RNI NO PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

VOL: 11 | ISSUE 157 | WEDNESDAY 17-06-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

उल्टी गंगा बहाने में लगे ग्लाडा अधिकारी!

लुधियाना/यूटर्न/16 जून। एक तरफ पंजाब सरकार द्वारा इंडस्ट्री को बढ़ावा देने के दावे किए जा रहे हैं। लेकिन दूसरी तरफ सरकारी अधिकारी ही इंडस्ट्री से उसका हक छीनने में लगे हुए हैं। लुधियाना कारोबारी शहर में एक तो पहले से इंडस्ट्रियल लैंड आसानी से नहीं मिलती, जहां मिलती है, वहां कई कॉलोनाइजरों द्वारा अधिकारियों संग मिलीभगत करके इंडस्ट्रियल जोन को खत्म करने की तैयारी कर ली गई है। ताजा मामला गांव जंडियाली की 58 एकड़ जमीन का सामने आया है। जहां पर पंजाब सरकार द्वारा इंडस्ट्रियल लैंड घोषित किया हुआ है। चर्चा है कि अब कई रियल एस्टेट कारोबारियों द्वारा ग्लाडा/ पूड्डा के अधिकारियों से मिलीभगत करके उसे आर जोन यानि कि रेजिडेंशियल जोन घोषित कराने का प्रयास किया जे रहा है। यानि कि ग्लाडा अधिकारी अब उल्टी गंगा बहाने में लगे हैं। इसके लिए बकायदा अखबार में नोटिस भी निकाला गया है। लेकिन हैरानी की बात तो यह है कि वहां पर पहले से ही काफी इंडस्ट्री लग चुकी है। ऐसे में अगर रिहायशी प्लॉट बनेंगें, तो फिर वे मिक्स लैंड यूज एरिया बन जाएगा। मिक्स लैंड यूज एरिए शहर के लिए वो नासूर हैं, जिनका 40 साल से हल नहीं हो सका। अब एक और एरिया मिक्स बना दिया जाएगा, तो फिर इंडस्ट्री कहा जाएगी। सालों से इंडस्ट्री अपने हक के लिए लड़ती आ रही है।

40 वर्ष बाद भी मिक्स्ड लैंड यूज के जंजाल में फंसी इंडस्ट्री

नई दुविधा में फंसी इंडस्ट्री

एक तरफ पंजाब सरकार इन्वेस्ट पंजाब के तहत इंडस्ट्री को बढ़ाने में लगी है। लेकिन दूसरी तरफ सरकारी विभागों द्वारा इंडस्ट्री के लिए यह नई दुविधा खड़ी कर दी गई है। जिसके चलते कहीं न कहीं यह इंडस्ट्री के प्लायन के कारण भी बन सकते हैं। वहीं गांव जंडियाली की इंडस्ट्रियल एसोसिएशन सरकार को इस मास्टर प्लान संशोधन पर रोक लगाने के लिए मांगपत्र देने के लिए भी तैयार है।

यह सरासर गलत, संघर्ष किया जाएगा

यूसीपीएमए के वाइस प्रेजिडेंट और कारोबारी जसविंदर सिंह ठुकराल

अनुसार साल 1992 के बाद पंजाब को नया फोकल प्वाइंट नहीं मिला। हम मिक्स यूज लैंड को आई जोन घोषित कराना चाहते हैं, दूसरी तरफ सरकार इंडस्ट्रियल जोन को ही रिहायशी बनाने में लगी है। सरकार की गलत नीतियों के कारण 72 मोहल्लों में 50 हजार इंडस्ट्री बंद होने की कगार पर है। गांव जंडियाली की इंडस्ट्री को साथ लेकर संघर्ष करेंगें।

इससे बड़ी समस्या नहीं आएगी

सीआईसीयू के प्रधान व कारोबारी उपकार सिंह आहूजा ने कहा कि 58 एकड़ ज्यादा बड़ा एरिया नहीं है। रेजिडेंशियल घोषित होने पर इससे लेबर को रहने में आसानी होगी।

सरकार को गच्चा देने की तैयारी

एक तरफ तो पंजाब में समय समय की सरकारों द्वारा इंडस्ट्री को रिहायशी इलाकों से निकालकर बाहरी एरिया में शिफ्ट करने के प्रयास किए गए। वहीं आप सरकार भी इस प्रयास में लगी है। जिसके चलते सरकार ने खुद जंडियाली गांव एरिया को आई जोन घोषित किया। जहां पर काफी मात्रा में इंडस्ट्रियल यूनिट लगे भी हैं। लेकिन अब उसे ही रेजिडेंशियल एरिया घोषित कर दिया जाएगा, तो आखिर फिर इंडस्ट्री कहा जाएगी। चर्चा यह भी है कि इस फैसले संबंधी सरकार को पता ही नहीं है। सरकारी अधिकारियों द्वारा अंदरखाते ही सारा काम किया जा रहा है।

चुनिंदा कॉलोनाइजरों को फायदा पहुंचाने का प्रयास

चर्चा है कि पूड्डा द्वारा मास्टर प्लान में संशोधन किया जा रहा है, उसी के तहत गांव जंडियाली की 58 एकड़ जमीन को इंडस्ट्रियल जोन से रेजिडेंशियल जोन बनाया जाएगा। चर्चा है कि इस पूरी प्रक्रिया में कई कॉलोनाइजरों को भारी भरकम फायदा मिलेगा। इसी के चलते उन्होंने अधिकारियों के साथ मिलीभगत करके यह प्लान तैयार किया है। चुनिंदा कॉलोनाइजरों को फायदा पहुंचाने के लिए शहर का नक्शा खराब किया जा रहा है।

मिक्स यूज लैंड एरिया बने नासूर

लुधियाना में जनता नगर, शिमलापुरी, सुंदर नगर, ढोलेवाल, ग्यासपुरा, बस्ती जोधेवाल जैसे एरिया मिक्स यूज लैंड हैं। जहां फैक्ट्रियों से रिहायशी लोग परेशान हैं। 40 साल के दौरान अलग अलग सरकारों ने इस नासूर को खत्म करने की कोशिश की। लेकिन हल नहीं हो सका। हर 10 साल बाद वहां मौजूद इंडस्ट्री को सरकार द्वारा फैक्ट्रियां बाहर ले जाने के नोटिस दे दिए जाते हैं। फिर इंडस्ट्री संघर्ष करती है। लेकिन फैक्ट्री मालिकों को बाहर न तो जमीन सस्ती मिलती है और न ही लेबर मिलती है। जिस कारण फैक्ट्री मालिक बाहर शिफ्ट नहीं हो पाते और वहां रहते लोग परेशान हैं।

इंडस्ट्री के लिए खड़ी होगी समस्या

सीआईआई के प्रवक्ता लोकेशन जैन ने कहा कि एक तरफ सरकार द्वारा मिक्स लैंड यूज से बाहर निकलने के लिए इंडस्ट्रियल जोन बनाए जा रहे हैं। दूसरी तरफ आई जोन में घर बनाने की तैयारी है। इंडस्ट्री के लिए नई समस्या खड़ी की जा रही है।

141 कनाल जमीन, करोड़ों का खेल और राजस्व रिकॉर्ड में हेरफेर के आरोप

नई दिल्ली/चंडीगढ़/यूटर्न/16 जून। हजारों करोड़ रुपये के चर्चित पर्ल ग्रुप भूमि घोटाले में सुप्रीम Court ने सख्त रुख अपनाते हुए हरियाणा के फरार राजस्व अधिकारी जोगिंदर शर्मा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। अदालत ने माना कि मामले में प्रथम दृष्टया गंभीर साजिश और संगठित भ्रष्टाचार के संकेत मिलते हैं, इसलिए आरोपी को राहत नहीं

दी जा सकती। जांच एजेंसियों के अनुसार मामला पंचकूला जिले के रायपुर रानी क्षेत्र में स्थित करीब 141 कनाल जमीन से जुड़ा है,

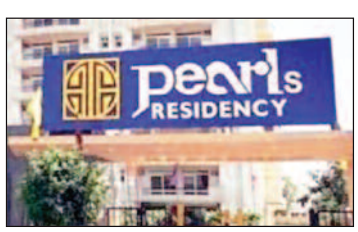

जो पर्ल ग्रुप की संपत्तियों से संबंधित बताई जाती है। यह जमीन पहले से न्यायालय द्वारा नियुक्त आर.एम. लोढ़ा समिति की निगरानी में थी और इसके हस्तांतरण पर रोक लगी हुई थी। इसके बावजूद कथित तौर पर राजस्व रिकॉर्ड में हेरफेर कर जमीन की बिक्री करवा दी गई। आरोप है कि तत्कालीन राजस्व अधिकारी जोगिंदर शर्मा ने प्रतिबंधों की जानकारी होने के बावजूद रिकॉर्ड से 'रेड इंक एंट्री' हटाने और भूमि सौदे को आगे बढ़ाने में भूमिका निभाई। जांच में कॉल रिकॉर्ड, ऑडियो क्लिप और वित्तीय लेन-देन को अहम साक्ष्य बताया गया है। मामले का एक और चौंकाने वाला पहलू यह है कि जांच एजेंसियों ने भूमि सौदों से जुड़े पैसों का संबंध आरोपी के करीबी रिश्तेदारों और पारिवारिक कंपनियों तक पहुंचने का दावा किया है।

संपादकीय

शब्दों की नागरिकता पर बहस क्यों?

संदीप शर्मा, सम्पादक

हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक पॉडकास्ट ने फिर वही पुरानी बहस छेड़ दी। पॉडकास्ट में दावा किया गया कि आम बोलचाल में इस्तेमाल होने वाला शब्द 'औरत' अरबी मूल का है और अरबी में इसके कुछ ऐसे अर्थ रहे हैं जिन्हें आज के संदर्भ में अच्छा नहीं माना जाता। देखते ही देखते वीडियो पर लाखों व्यूज, हजारों टिप्पणियाँ और अंतहीन बहस शुरू हो गई। लेकिन इस पूरे विवाद ने एक और सवाल खड़ा कर दिया। क्या किसी शब्द की उत्पत्ति मात्र से उसकी वर्तमान पहचान तय हो जाती है? समस्या यह नहीं है कि ऐसे पॉडकास्ट शब्दों की उत्पत्ति बताते हैं। समस्या तब शुरू होती है जब किसी शब्द की विदेशी जड़ों को उसकी वैधता या स्वीकार्यता पर सवाल उठाने का आधार बना दिया जाता है। मानो किसी भाषा में दूसरे स्रोत से आए शब्द उसकी शुद्धता पर धब्बा हों। जरा अपनी रोजमर्रा की भाषा पर नजर डालिए। हम मकान में रहते हैं, कमरे में बैठते हैं, दीवार के सहारे टिकते हैं, बाल्टी में पानी भरते हैं और बाल संवारते हैं। हममें से कितने लोग इन शब्दों की उत्पत्ति के बारे में सोचते हैं? कुछ शब्द अरबी से आए, कुछ फारसी से, कुछ पुर्तगाली से, कुछ तुर्की से, कुछ संस्कृत से और कुछ भारतीय भाषाओं से। भाषाएं हमेशा एक-दूसरे से शब्द उधार लेती रही हैं। व्यापार, प्रवास, युद्ध, संस्कृति और सह-अस्तित्व—इन सबने शब्दों को सीमाओं के पार पहुंचाया है। अंग्रेजी, जिसे कई लोग एक स्वतंत्र और विशुद्ध भाषा मानते हैं, दुनिया की सबसे बड़ी उधारकर्ता भाषाओं में से एक है। उसने फ्रेंच, लैटिन, ग्रीक, अरबी, फारसी, हिंदी, उर्दू, संस्कृत, स्पेनिश और इटालियन समेत दर्जनों भाषाओं से शब्द लिए हैं। 'शैंपू', 'बंगला', 'पंडित', 'पायजामा' और 'बरामदा' जैसे शब्द भारतीय उपमहाद्वीप से अंग्रेजी में पहुंचे। अंग्रेजी बोलने वालों को इससे कोई संकट महसूस नहीं होता। लेकिन सोशल मीडिया की दुनिया में सूक्ष्मता नहीं, सनसनी बिकती है। कोई पॉडकास्टर खोज निकालता है कि 'औरत' शब्द अरबी से आया है। यह जानकारी अपने आप में गलत नहीं है। लेकिन इसके बाद वह निष्कर्ष निकालता है कि क्योंकि सदियों पहले किसी दूसरी भाषा में इस शब्द का एक खास अर्थ था, इसलिए आज हिंदी-उर्दू में इसके प्रयोग पर भी सवाल उठना चाहिए। यहीं से भाषाविज्ञान खत्म होता है और क्लिकबेट शुरू हो जाता है। शब्द समय के साथ बदलते हैं। उनके अर्थ विकसित होते हैं, सिमटते हैं, फैलते हैं और कई बार पूरी तरह बदल जाते हैं। अंग्रेजी का ह्यनाइसह्व शब्द कभी मूर्ख या अज्ञानी व्यक्ति के लिए इस्तेमाल होता था। ह्यविलेनह्व मूल रूप से खेतों में काम करने वाले व्यक्ति को कहा जाता था। आज कोई भी इन शब्दों का मूल्यांकन उनके सदियों पुराने अर्थों के आधार पर नहीं करता। इसी तरह हिंदी-उर्दू में ह्यऔरतह्व का अर्थ वही है जो आज करोड़ों लोग उससे समझते हैं, न कि वह जो किसी अन्य समाज या कालखंड में रहा होगा। भाषा के बारे में होने वाली ऐसी बहसें अक्सर एक बुनियादी सच को नजरअंदाज कर देती हैं। भाषा कोई संग्रहालय की वस्तु नहीं है। वह एक जीवित व्यवस्था है। एक बार कोई शब्द किसी भाषा में प्रवेश कर जाए तो वह वहां के समाज, संस्कृति और अनुभवों का हिस्सा बन जाता है। उसके अर्थ और पहचान का निर्धारण उसके वर्तमान प्रयोग से होता है। विडंबना यह है कि ऐसे पॉडकास्ट शायद ही कभी यह बताते हैं कि भाषाई उधारी कोई अपवाद नहीं, बल्कि सामान्य नियम है। हिंदी में संस्कृत, प्राकृत, फारसी, अरबी, तुर्की, पुर्तगाली और अंग्रेजी की परतें मौजूद हैं। तमिल ने भी संस्कृत और अंग्रेजी से शब्द ग्रहण किए हैं। अंग्रेजी ने तो लगभग पूरी दुनिया से शब्द उधार लिए हैं। भाषाओं का इतिहास दरअसल मानव सभ्यता के आपसी संपर्क का इतिहास है। सच यह है कि ऐसे वीडियो अक्सर शिक्षा से ज्यादा उत्तेजना पैदा करने के लिए बनाए जाते हैं। साधारण भाषाई तथ्यों को चौंकाने वाले खुलासों की तरह पेश किया जाता है ताकि विवाद पैदा हो, टिप्पणियां आएं और व्यूज बढ़ें। दर्शकों को लगता है कि उन्होंने कोई बड़ा रहस्य खोज लिया है, जबकि वे केवल भाषा के सबसे सामान्य और स्वाभाविक नियम से परिचित हुए होते हैं। भाषा पर परिपक्व विमर्श का उद्देश्य दीवारें खड़ी करना नहीं, पुल बनाना है। हर उधार लिया गया शब्द इस बात का प्रमाण है कि संस्कृतियां मिलीं, एक-दूसरे को प्रभावित किया और कुछ नया रचा। असली कहानी यह नहीं है कि कोई शब्द कहां से आया था। असली कहानी यह है कि सदियों की यात्रा के बाद वह हमारा कैसे बन गया।

अश्वनी जी: 48 वर्षों की मेहनत, ईमानदारी और समर्पण से बनाई चार्टर्ड अकाउंटेंसी में अलग पहचान

'हार्ड वर्क, धैर्य और ईमानदारी ही सफलता की असली कुंजी'

सपनों की कोई सीमा नहीं होती और उन्हें पूरा करने के लिए की गई मेहनत का भी कोई तय पैमाना नहीं होता। कुछ लोग सिर्फ अपने लिए सफलता नहीं बनाते, बल्कि अपने काम और सिद्धांतों से दूसरों के लिए भी मिसाल बन जाते हैं। ऐसे ही एक व्यक्तित्व हैं अश्वनी एंड एसोसिएट्स के संस्थापक अश्वनी जी, जिन्होंने लगभग पांच दशकों की मेहनत, अनुशासन और ईमानदारी से चार्टर्ड अकाउंटेंसी के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई। प्रस्तुत है उनसे हुई विशेष बातचीत—

आपकी अब तक की यात्रा कैसी रही?

मेरी यात्रा बहुत अच्छी रही। लगभग 48झ्र50 साल पहले मैंने इस फर्म की शुरूआत की थी। शुरूआत में मैं अकेला था, लेकिन धीरे-धीरे काम बढ़ता गया और लोग जुड़ते गए। आज हमारा बड़ा संगठन है और कई शहरों में हमारे कार्यालय हैं। इस पूरे सफर को हमने पूरी लगन के साथ जिया है।

इस सफर की शुरूआत कैसे हुई? क्या पहले से तय था कि सीए ही बनना है?

मेरे पिता आयकर से जुड़ी प्रैक्टिस करते थे। उन्हें देखकर मन में इसी क्षेत्र में आगे बढ़ने का विचार आया। पहले वकालत की दिशा थी लेकिन बाद में लगा कि चार्टर्ड अकाउंटेंसी बेहतर विकल्प है और उसी दिशा में आगे बढ़ गया।

आपकी पढ़ाई कहाँ से हुई?

मैंने अपनी मैट्रिक मालेरकोटला से पंजाब स्कूल एजुकेशन बोर्ड से की। इसके बाद डीएवी कॉलेज, चंडीगढ़ से प्री-यूनिवर्सिटी और गवर्नमेंट कॉलेज, लुधियाना से बीकॉम किया। फिर लुधियाना में सीए की पढ़ाई शुरू की और 1978 में क्वालिफाई किया।

क्या कभी गणित को लेकर डर लगा?

नहीं, कभी ऐसा डर नहीं रहा। हमारे समय में भी मेहनत करनी पड़ती थी लेकिन गणित को लेकर कोई डर नहीं था। आज भी सीए सिर्फ कॉमर्स के छात्र नहीं करते, दूसरे विषयों के छात्र भी इसमें सफल हो रहे हैं।

जब आपने सीए परीक्षा पास की तो उस समय कैसा महसूस हुआ?

उस समय सीए पास करना अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि माना जाता था। अच्छे संस्थानों से नौकरी के अवसर मिले, लेकिन शुरू से मन था कि नौकरी नहीं करनी और अपनी प्रैक्टिस करनी है।

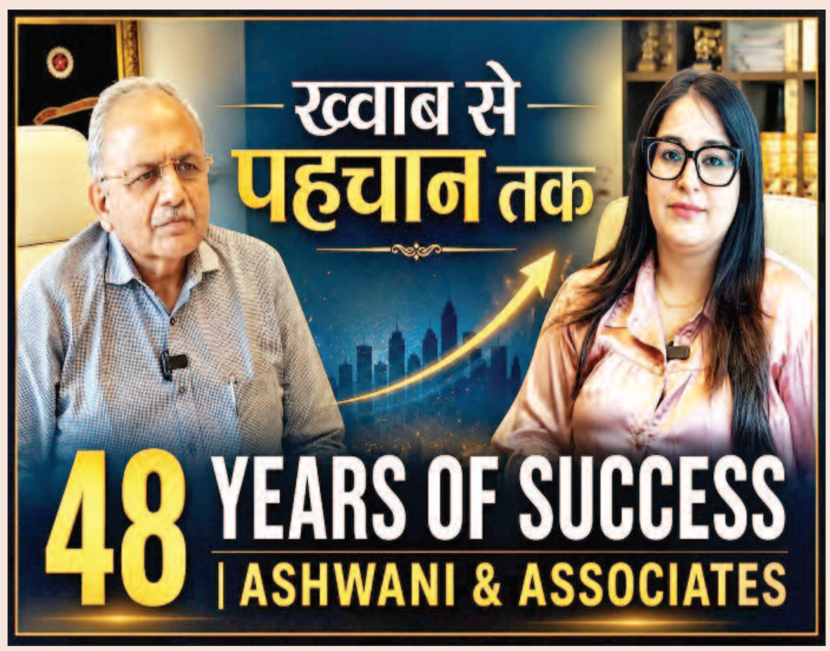

क्या इस लंबे सफर में कठिन समय भी आया?

हर सफर में चुनौतियां आती हैं लेकिन भगवान की कृपा रही। मैंने हमेशा अपने काम को जुनून और ईमानदारी के साथ किया। मेहनत और निरंतरता ने हमेशा आगे बढ़ने का रास्ता दिया।

एक व्यक्ति से शुरू हुआ सफर आज बड़े संगठन तक कैसे पहुंचा?

धीरे-धीरे काम बढ़ा और लोग जुड़ते गए। आज भी कई लोग 20झ्र21 साल से हमारे साथ काम कर रहे हैं। परिवार भी इस सफर का हिस्सा बना और मेरे बेटे ने भी बाद में इस पेशे को चुना।

सफलता के पीछे सबसे बड़ा मंत्र क्या रहा?

इस पेशे में धैर्य, समर्पण और ईमानदारी बहुत जरूरी है। मेहनत का कोई विकल्प नहीं है। सबसे जरूरी बात यह है कि कभी दूसरों की कमाई देखकर लालच नहीं करना चाहिए। अपना काम पूरी निष्ठा से करना चाहिए।

आज के युवाओं को क्या संदेश देना चाहेंगे?

चार्टर्ड अकाउंटेंसी एक शानदार पेशा है। यह सम्मान देता है, स्थिरता देता है और समाज में पहचान भी देता है। बस मेहनत, धैर्य और ईमानदारी के साथ आगे बढ़ते रहिए। सफलता जरूर मिलेगी।

समापन: अश्वनी जी की कहानी बताती है कि सफलता किसी एक दिन का परिणाम नहीं होती, बल्कि वर्षों की मेहनत, धैर्य और अपने सिद्धांतों पर कायम रहने का परिणाम होती है।

पेज 06 चंडीगढ़ में पहली बार वार्ड-वाइज मेगा डीप...

91 लाख रुपये की लागत से सेक्टर-32ए में मुख्य सीवर लाइन की डी-सिल्टिंग शुरू

लुधियाना/यूटर्न/16 जून। वार्ड नंबर 19 की पार्षद एवं आम आदमी पार्टी जिला लुधियाना की सचिव निधि गुप्ता के प्रयासों से सेक्टर-32ए में लगभग 91 लाख रुपये की लागत से मुख्य सीवर लाइन की डी-सिल्टिंग का कार्य शुरू कर दिया गया। इस परियोजना का शुभारंभ पूर्वी विधानसभा क्षेत्र के विधायक दलजीत सिंह भोला ग्रेवाल ने किया। इस अवसर पर विधायक भोला ग्रेवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार प्रदेश में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने और लोगों को बेहतर नागरिक सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पूर्वी विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को तेज गति से आगे बढ़ाया जा रहा है और आने वाले समय में भी कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। पार्षद निधि गुप्ता ने बताया कि बरसात के मौसम में सीवर ओवरफ्लो और जलभराव की समस्या से लोगों को राहत दिलाने के उद्देश्य से मुख्य सीवर लाइन की डी-सिल्टिंग करवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि यह कार्य क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग थी। गुप्ता ने विधायक भोला ग्रेवाल तथा पार्टी नेतृत्व का सहयोग और समर्थन देने के लिए आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में क्षेत्र में सड़क, सीवरेज और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े कई विकास कार्य भी शुरू किए जाएंगे। इस मौके पर पार्टी कार्यकर्ता, सामाजिक प्रतिनिधि और क्षेत्र के गणमान्य लोग भी मौजूद रहे।

पंचकूला में पुलिस वेरिफिकेशन सेवाएं हुईं आसान, लंबित मामलों में आई बड़ी कमी

पंचकूला/यूटर्न/16 जून। आमजन को पुलिस सेवाएं अधिक सरल, पारदर्शी और नागरिक-अनुकूल बनाने के उद्देश्य से पंचकूला पुलिस द्वारा शुरू की गई नई व्यवस्था के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। पुलिस आयुक्त पंकज नैन के निर्देश पर 1 जून से लागू की गई नई सत्यापन प्रणाली के बाद पुलिस वेरिफिकेशन से जुड़े लंबित मामलों में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। नई व्यवस्था के तहत अब चरित्र प्रमाण पत्र, पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट (पीसीसी), पासपोर्ट सत्यापन, किरायेदार सत्यापन सहित अन्य पुलिस वेरिफिकेशन कार्यों के लिए नागरिकों को थानों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं। इसके बजाय संबंधित पुलिसकर्मी स्वयं आवेदकों के घर पहुंचकर सत्यापन प्रक्रिया पूरी कर रहे हैं।

पुलिस विभाग के आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष के पहले पांच महीनों में पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट की लंबित दर 21.31 प्रतिशत थी, जो अब घटकर केवल 6.32 प्रतिशत रह गई है। इसी प्रकार चरित्र प्रमाण पत्र के मामलों में लंबित आवेदन का प्रतिशत 52.66 से घटकर मात्र 7.8 प्रतिशत पर पहुंच गया है। हालांकि पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कुछ आवेदन आवेदकों द्वारा गलत पता दर्ज करने, दस्तावेजों में त्रुटि या अन्य तकनीकी कारणों से भी निरस्त हो जाते हैं। ऐसे मामलों के समाधान के लिए भी विकल्पों पर विचार किया जा रहा है।

पुलिस आयुक्त पंकज नैन द्वारा लागू की गई इस नई व्यवस्था के तहत हरसमय पोर्टल पर प्राप्त ऑनलाइन आवेदन संबंधित थाना क्षेत्र में डिजिटल माध्यम से भेजे जाते हैं। इसके बाद थाना प्रभारी द्वारा नियुक्त पुलिसकर्मी आवेदक के पते पर जाकर सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करता है। व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सत्यापन पूरा होने के बाद आवेदकों से फोन पर फीडबैक भी लिया जा रहा है। पुलिस आयुक्त स्वयं प्रतिदिन इन फीडबैक रिपोर्टों की समीक्षा कर रहे हैं।

ऑपरेशन मैदान 2.0 का असर: पंचकूला में 19 नशा तस्कर गिरफ्तार, 4.40 करोड़ रुपये की ड्रग्स बरामद

पंचकूला/यूटर्न/16 जून। जिले को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष अभियान ‘ऑपरेशन मैदान 2.0’ के तहत पंचकूला पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस आयुक्त पंकज नैन के नेतृत्व में 28 मई से शुरू किए गए इस अभियान के दौरान अब तक 13 मामलों में 19 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। उनके कब्जे से करीब 4 करोड़ 40 लाख रुपये मूल्य के मादक पदार्थ बरामद किए गए हैं। अभियान की प्रगति की समीक्षा के लिए मंगलवार को पुलिस आयुक्त पंकज नैन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से डीसीपी सृष्टि गुप्ता, डीसीपी क्राइम एवं ट्रैफिक अमरिंदर सिंह तथा अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान अभियान को और प्रभावी बनाने तथा जमीनी स्तर पर कार्रवाई तेज करने के निर्देश दिए गए।

पुलिस आयुक्त पंकज नैन ने बताया कि अभियान का उद्देश्य केवल नशा तस्करों की गिरफ्तारी नहीं, बल्कि पूरे ड्रग नेटवर्क को ध्वस्त करना, नशा पीड़ितों का पुनर्वास सुनिश्चित करना और आधुनिक तकनीक के माध्यम से निगरानी व्यवस्था को मजबूत बनाना है। डीसीपी क्राइम एवं ट्रैफिक अमरिंदर सिंह ने बताया कि अभियान के दौरान पुलिस ने 1 किलो 998 ग्राम हेरोइन, 7 किलो 224 ग्राम अफीम, 931 ग्राम चरस तथा 1 किलो 45 ग्राम गांजा बरामद किया है। सभी मामलों में एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर उनके नेटवर्क और सप्लाई चेन से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचने का प्रयास भी किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि पहले गिरफ्तार होकर जमानत पर बाहर आए 275 नशा तस्करों का सत्यापन कर उनकी गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि उनकी दोबारा अपराध में संलिप्तता रोकी जा सके। डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने बताया कि जिले में संभावित ड्रग हॉटस्पॉट की पहचान कर लगातार दबिश, औचक निरीक्षण और विशेष चेकिंग अभियान चलाए जा रहे हैं। अभियान के तहत 151 स्थानों पर डॉग स्क्वॉड की सहायता से रेड की गई है तथा 22 ड्रग हॉटस्पॉट क्षेत्रों की पहचान की गई है। इन क्षेत्रों पर खुफिया निगरानी के साथ 23 सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से नजर रखी जा रही है। इसके अतिरिक्त 43 खराब पड़े सीसीटीवी कैमरों की मरम्मत कर उन्हें दोबारा सक्रिय किया गया है। पुलिस ने नशे के खिलाफ सामाजिक स्तर पर भी अभियान तेज किया है। अब तक 62 नशा पीड़ितों का उपचार शुरू कराया गया है, जबकि चार व्यक्तियों को नशामुक्ति केंद्र में भर्ती कराया गया है। वहीं प्रतिबंधित दवाओं की अवैध बिक्री रोकने के लिए ड्रग इंस्पेक्टर के साथ मिलकर 73 मेडिकल स्टोर और केमिस्ट दुकानों की जांच की गई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जिलेभर की 1,213 लोकेशनों पर लगे करीब 2,736 सीसीटीवी कैमरों को एकीकृत निगरानी प्रणाली से जोड़ा गया है, जिससे संदिग्ध गतिविधियों और नशा तस्करों की आवाजाही पर रियल-टाइम निगरानी रखी जा रही है।

GMADA की बड़ी कार्रवाई: डिफॉल्टर बिल्डरों पर शिकंजा, 1000 करोड़ से अधिक बकाया

मोहाली/यूटर्न/16 जून। ग्रेटर मोहाली एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (गमाडा) ने रियल एस्टेट सेक्टर में बड़ी कार्रवाई करते हुए डिफॉल्टर प्रमोटरों की सूची जारी की है। यह सूची 31 मई 2026 तक के रिकॉर्ड के आधार पर तैयार की है, जिसमें पापरा कॉलोनियों और मेगा प्रोजेक्ट्स से जुड़े कई बड़े बिल्डरों पर भारी बकाया सामने आया है। पापरा कॉलोनियों में कुल 312.47 करोड़ रुपये का बकाया है, जबकि मेगा प्रोजेक्ट्स में यह आंकड़ा बढ़कर 701.56 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इस तरह कुल मिलाकर करीब 1014.03 करोड़ रुपये देनदारी सामने आई है। सूची में बाजवा डेवलपर्स, शिवालिक साइट प्लानर्स, चंडीगढ़ रॉयल सिटी प्रमोटर्स समेत कई प्रमुख कंपनियों के नाम शामिल हैं। इन पर ईडीसी, एलएफ और एसआईएफ जैसे शुल्कों का भुगतान न करने का आरोप है।

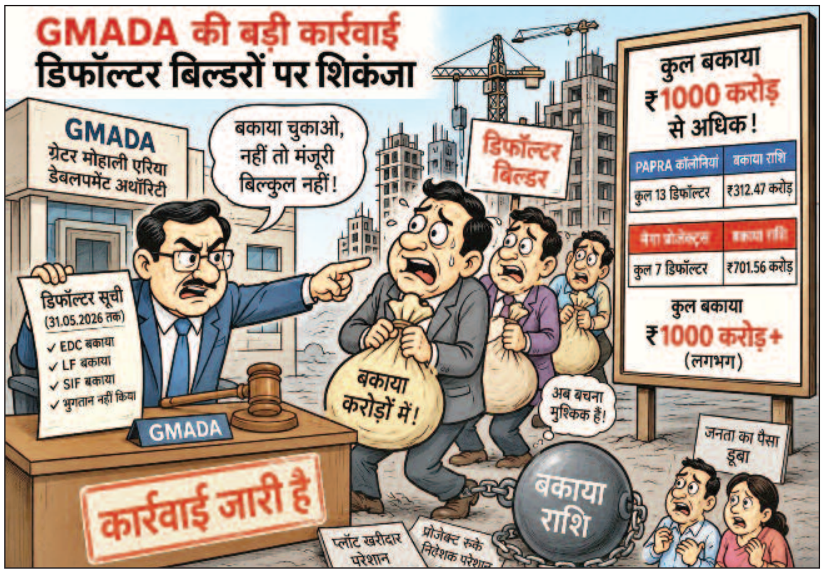

डिफॉल्टरों को नहीं मिलेगी मंजूरी

गमाडा के मुख्य प्रशासक ने निर्देश में कहा है कि जिन प्रमोटरों को डिफॉल्टर घोषित किया गया है, उन्हें आगे किसी भी प्रकार की मंजूरी या भुगतान नहीं दिया जाएगा। इस कार्रवाई को रियल एस्टेट सेक्टर में पारदर्शिता लाने और बकाया वसूली की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। वहीं, इससे निवेशकों और प्लॉट खरीदारों में भी हलचल मच गई है।

डिफॉल्टर कॉलोनियों की सूची और बकाया राशि

पापरा कॉलोनियां में कुल बकाया 312.47 करोड़ है। जिसमें चंडीगढ़ रॉयल सिटी प्रमोटर्स प्रा. लि. के 47.89 करोड़, शिवालिक साइट प्लानर्स प्रा. लि. के 20.55 करोड़, बाजवा डेवलपर्स प्रा. लि. के 23.40 करोड़, मैजेस्टिक प्रॉपर्टीज प्रा. लि. के 7.13 करोड़, बाजवा डेवलपर्स प्रा. लि. के 127.19 करोड़, बाजवा दामिनी डेवलपर्स के 10.65 करोड़, शिवालिक साइट प्लानर्स (कासा एस्पाना) के 15.60 करोड़, गीतू कंस्ट्रक्शंस प्रा. लि. के 14.79 करोड़, राइजिंग स्टार इंफ्रास्ट्रक्चर प्रा. लि. के 0.99 करोड़, आरकेएम हाउसिंग प्रा. लि. के 31.07 करोड़, इंडियन कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी (संटेक सिटी) के 11.47 करोड़, नॉर्थएज डेवलपर्स एलएलपी के 1.11 करोड़, गिल्को डेवलपर्स एंड बिल्डर्स प्रा. लि. के 0.57 करोड़ बकाया है।

मेगा प्रोजेक्ट्स में इनकी राशि पेंडिंग

मेगा प्रोजेक्ट्स में बाजवा डेवलपर्स लि. (मेगा प्रोजेक्ट-1) के 209.30 करोड़, बाजवा डेवलपर्स लि. (मेगा प्रोजेक्ट-2) के 168.61 करोड़, सुखम इंफ्रास्ट्रक्चर प्रा. लि. के 69.06 करोड़, एच.पी. सिंह एवं अन्य के 45.78 करोड़, जनता लैंड प्रमोटर्स के 151.22 करोड़, ग्लोबस प्रोजेक्ट्स प्रा. लि. के 34.52 करोड़, प्रीत लैंड प्रमोटर्स प्रा. लि. के 22.14 करोड़ बकाया है।

हरियाणा में टेक्निकल एजुकेशन अपग्रेड: संस्थानों को मिले 2512 नए कंप्यूटर, 9 पॉलिटेक्निक में पहुंचीं आधुनिक मशीनें

चंडीगढ़/यूटर्न/16 जून। हरियाणा सरकार प्रदेश के युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर देने और तकनीकी शिक्षा को आधुनिक बनाने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। इसी कड़ी में राज्य के इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक संस्थानों को नई तकनीक और आधुनिक संसाधनों से लैस किया जा रहा है। शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने सोमवार को तकनीकी शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में बताया कि प्रदेश के तकनीकी शिक्षण संस्थानों के लिए 2512 हाई-कॉन्फि गरेशन कंप्यूटर सिस्टम खरीदे गए हैं, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर प्रैक्टिकल ट्रेनिंग और आधुनिक तकनीकी शिक्षा मिल सके।

उन्होंने बताया कि इनमें से 730 कंप्यूटर सिस्टम पहले ही इंजीनियरिंग और औद्योगिक संस्थानों को उपलब्ध करवाए जा चुके हैं, जबकि 36 सरकारी पॉलिटेक्निक और संबंधित शिक्षा समितियों में भी कंप्यूटरों का

वितरण किया जा चुका है। शेष 281 कंप्यूटर भी जल्द संस्थानों तक पहुंचाए जाएंगे। शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार केवल डिजिटल सुविधाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि संस्थानों के इंफ्रास्ट्रक्चर को भी मजबूत किया जा रहा है। इसी के तहत प्रदेश के 9 सरकारी पॉलिटेक्निक संस्थानों को सिविल इंजीनियरिंग से जुड़ी 51 अत्याधुनिक मशीनें और उपकरण दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि इन संसाधनों के जरिए छात्र सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि नई तकनीकों को व्यावहारिक रूप से सीख सकेंगे, जिससे उद्योगों में उनकी मांग बढ़ेगी और रोजगार के नए अवसर खुलेंगे।

महीपाल ढांडा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लैब्स और तकनीकी संसाधनों को लगातार अपग्रेड किया जाए, क्योंकि आज के समय में केवल थ्योरी आधारित शिक्षा युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है — हर हाथ को काम और हर युवा को उसकी योग्यता के अनुसार रोजगार।

बैठक में उच्चतर शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ए.के. सिंह, बहु तकनीकी शिक्षा के महानिदेशक प्रभजोत सिंह सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

सुरक्षा गार्ड से बहस ने लिया हिंसक रूप, सोसाइटी अध्यक्ष समेत महिलाओं पर लाठी से हमला

जीरकपुर/यूटर्न/16 जून। गेट पर तैनात सुरक्षा गार्ड के साथ कथित बदसलूकी का मामला देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। नाभा साहिब स्थित फियो होम्स सोसाइटी में हुए इस घटनाक्रम ने रिहायशी परिसरों में सुरक्षा कर्मचारियों के प्रति व्यवहार और कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। सोसाइटी अध्यक्ष जरनैल सिंह पन्नू के अनुसार 14 जून की सुबह मुख्य गेट पर एक निवासी और सुरक्षा गार्ड के बीच तीखी बहस हो रही थी। मामला शांत होने के बाद भी विवाद खत्म नहीं हुआ और कुछ समय बाद संबंधित निवासी तीन अन्य युवकों के साथ वापस पहुंच गया। आरोप है कि गाली-गलौज के बाद लाठियों से हमला कर दिया गया, जिसमें अध्यक्ष घायल हो गए। घटना के दौरान बीच-बचाव करने पहुंची महिलाओं को भी नहीं बख्शा गया। शिकायत के अनुसार अध्यक्ष की पत्नी निर्मला देवी के सिर पर लाठी से वार किया गया, जबकि एक अन्य महिला सदस्य के साथ धक्का-मुक्की और अभद्र व्यवहार किया गया।

घटना के बाद सोसाइटी में दहशत और रोष का माहौल है। निवासियों का कहना है कि रिहायशी परिसरों में इस तरह की घटनाएं सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती हैं। उनका मानना है कि यदि समय रहते अन्य लोग मौके पर न पहुंचते तो घटना और गंभीर रूप ले सकती थी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर प्रवीण कुमार समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मेडिकल रिपोर्ट और जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर मामले में अन्य धाराएं भी जोड़ी जा सकती हैं।

शादी का झांसा देकर युवती से संबंध बनाने का आरोप, युवक पर केस दर्ज

जनवरी से करता रहा शादी का वादा, अब मुकरने पर पीड़िता पहुंची पुलिस के पास

जीरकपुर /यूटर्न/16 जून। शादी का झांसा देकर युवती के साथ शारीरिक संबंध बनाने के आरोप में ढकोली थाना पुलिस ने एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपी की पहचान जीत सिंह निवासी स्काई सिटी, डेराबस्सी के रूप में हुई है। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस को दी शिकायत में ढकोली निवासी 25 वर्षीय युवती ने बताया कि उसकी पहचान कुछ समय पहले जीत सिंह से हुई थी। दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और आरोपी ने उससे शादी करने का वादा किया। पीड़िता का आरोप है कि इसी भरोसे में आरोपी जनवरी 2026 से उसके साथ लगातार शारीरिक संबंध बनाता रहा।

युवती के अनुसार जब उसने विवाह को लेकर दबाव बनाना शुरू किया तो आरोपी टालमटोल करने लगा। बाद में उसने शादी करने से साफ इंकार कर दिया। खुद को ठगा महसूस करने पर युवती ने पुलिस से शिकायत की और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शिकायत और प्रारंभिक जांच के बाद आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 69 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी फिलहाल फरार है और उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

अलग एंगल वादा-ए-विवाह से शुरू हुआ रिश्ता, एफआईआर तक पहुंचा मामला...पुलिस अधिकारियों के अनुसार हाल के समय में शादी का झांसा देकर संबंध बनाने और बाद में विवाह से मुकरने की शिकायतों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। ऐसे मामलों में जांच के दौरान दोनों पक्षों के संबंधों, बातचीत और उपलब्ध साक्ष्यों की गहन पड़ताल की जाती है। ढकोली का यह मामला भी अब पुलिस जांच के दायरे में है और आरोपी की गिरफ्तारी के बाद कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं।

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

पेज 12 मैगी विवाद फिर चर्चा में: FSSAI के नोटिस के...

आप नेता से जुड़े 155 करोड़ रुपये के बैंक घोटाले में ईडी ने कई जगहों पर छापेमारी की

चंडीगढ़/यूटर्न/16 जून। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), चंडीगढ़ ने मंगलवार को मैसर्स महेश टिंबर प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ जांच के सिलसिले में करनाल, दिल्ली और गोवा में अशोक मित्तल, सौरभ ढिंगरा, भारत भूषण मित्तल, रमन सिंघल और अन्य से जुड़ी 11 जगहों पर छापेमारी की। यह मामला मैसर्स महेश टिंबर प्राइवेट लिमिटेड, उसके निदेशकों और अन्य लोगों के खिलाफ सीबीआई की एफआईआर पर आधारित है। इन पर ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स और कंसोर्टियम बैंकों को लगभग 155.21 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाने वाले बैंक घोटाले के संबंध में आईपीसी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अपराधों का आरोप है। ईडी के अनुसार, आप नेता दीपक सिंगला, उनके भाई रमन सिंघल और उनके मामा अशोक कुमार मित्तल ने धोखाधड़ी वाले लेन-देन करने के लिए भारत और सिंगापुर में आपस में जुड़ी कंपनियों का एक नेटवर्क बनाया और चलाया। साजिश के तहत, जाली और मनगढ़ंत दस्तावेज - जिनमें बिल ऑफ लैडिंग, बिल ऑफ एंट्री, अनुबंध और व्यापार से संबंधित अन्य दस्तावेज शामिल हैं - तैयार किए गए और बैंकों को विदेशी लेटर ऑफ क्रेडिट (एफएलसी) खोलने और उनकी सीमा को धोखाधड़ी से बढ़वाने के लिए जमा किए गए।

आप के गोवा प्रभारी है दीपक

दीपक सिंगला आप के गोवा प्रभारी हैं। सीबीआई ने करनाल में ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स की शाखा को धोखा देने के लिए अशोक मित्तल के खिलाफ मामला दर्ज किया था। मैसर्स महेश टिंबर प्राइवेट लिमिटेड के लिए शुरू में खोले गए विदेशी लेटर ऑफ क्रेडिट की कुल राशि 21.48 करोड़ रुपये थी, जबकि धोखाधड़ी से बढ़ाई गई राशि 173.04 करोड़ रुपये थी। ओबीसी शाखा के सीनियर मैनेजर (जिन्हें नौकरी से निकाल दिया गया है) सुरेंद्र कुमार रंगा ने मई 2022 में ईडी को दिए अपने बयान में बताया कि उनसे लेटर ऑफ क्रेडिट की वैल्यू को असीमित राशि तक बढ़ाने का मौखिक अनुरोध किया गया था। इसके बदले में, मित्तल ने कथित तौर पर रंगा को सिंगापुर में बसाने का वादा किया था।

बिल एंट्री और दस्तावेज नकली

ईडी ने दीपक सिंगला की रिमांड कार्यवाही के दौरान पंचकूला की अदालत में कहा, जांच से यह पक्का हो गया है कि इस नेटवर्क द्वारा बैंकों के सामने जमा किए गए बिल ऑफ लैडिंग, बिल ऑफ एंट्री और अन्य सहायक दस्तावेज जाली और नकली थे। इससे यह भी साबित होता है कि इस मामले में सामान (यानी लकड़ी) का कोई वास्तविक आयात नहीं हुआ था, जिससे लेन-देन की धोखाधड़ी वाली प्रकृति की पुष्टि होती है।

लड़की खरीदने के काम में शामिल थी फर्म

ईडी ने कोर्ट को बताया कि दीपक सिंगला अपने भाई हरीश सिंगला के साथ मैसर्स ट्रैफि क मीडिया इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर थे। मैसर्स ट्रैफि क मीडिया, मैसर्स महेश टिंबर प्राइवेट लिमिटेड से लकड़ी खरीदने के काम में शामिल थी। साथ ही, दीपक सिंगला के भाई रमन सिंघल मैसर्स अमेजन एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (एईपीएल) में डायरेक्टर थे, जो मैसर्स महेश टिंबर प्राइवेट लिमिटेड को लकड़ी और उससे जुड़े सामान की सप्लाई कर रही थी।

नीट की दोबारा परीक्षा से पहले पेपर लीक की आशंका के चलते केंद्र ने टेलीग्राम पर रोक लगाई

चंडीगढ़/यूटर्न/16 जून। केंद्र सरकार ने मंगलवार को मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम पर 22 जून तक देश भर में अस्थायी रोक लगाने का आदेश दिया। सरकार को चिंता थी कि 21 जून को होने वाली नीट-यूजी परीक्षा से पहले नकल कराने वाले गिरोह और धोखेबाज इस ऐप का इस्तेमाल कर रहे थे।

यह कदम कथित तौर पर प्रश्न पत्र लीक होने के विवाद के बाद उठाया गया है, जिसके कारण लाखों छात्रों के लिए मेडिकल प्रवेश परीक्षा के मूल नतीजे रद्द कर दिए गए थे। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के अनुसार, टेलीग्राम चैनलों का इस्तेमाल कथित तौर पर प्रश्न पत्र लीक होने के दावे फैलाने और परीक्षा का पेपर पहले से पाने की चाहत रखने वाले छात्रों से पैसे ऐंठने के लिए किया जा रहा था।

केंद्रीय विभाग ने जारी किए आदेश

खबरों के मुताबिक, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के प्रावधानों के तहत यह आदेश जारी किया। यह कानून सरकार को सार्वजनिक व्यवस्था और राष्ट्रीय अखंडता के हित में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म तक पहुंच को ब्लॉक करने की अनुमति देता है। उम्मीद है कि यह रोक परीक्षा के अगले दिन तक लागू रहेगी।

मैसेज एडिटिंग फीचर बंद करने के निर्देश

इसी क्रम में, अधिकारियों ने टेलीग्राम को भारत में 30 जून तक अपना मैसेज-एडिटिंग फीचर बंद करने का भी निर्देश दिया है। अधिकारियों ने कहा कि इस फीचर का गलत इस्तेमाल पुराने पोस्ट को बदलने और यह गलत धारणा बनाने के लिए किया था कि परीक्षा से पहले ही पेपर लीक हो गए थे। यह कार्रवाई नीट-यूजी परीक्षा को लेकर हफ़्तों तक चले हंगामे के बाद की गई है।

समर्थक कर रहे आलोचना

हालांकि, टेलीग्राम को ब्लॉक करने के फैसले की डिजिटल अधिकार समर्थकों ने आलोचना की है। इंटरनेट फ्रीडम फाउंडेशन ने इस कदम को जरूरत से ज्यादा सख़्त बताया है। उनका तर्क है कि पूरे प्लेटफॉर्म को बंद करने से आम यूजर्स को सजा मिलती है, जबकि परीक्षा में धोखाधड़ी को बढ़ावा देने वाली गहरी प्रणालीगत कमियों को दूर करने में इससे कोई खास मदद नहीं मिलती। आलोचकों ने यह भी सवाल उठाया है कि क्या प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगाकर संगठित नकल गिरोहों पर प्रभावी ढंग से रोक लगाई जा सकती है।

सेक्टर-11 हत्याकांड के बाद कानून-व्यवस्था पर उठे सवाल, मानवाधिकार संगठन ने डीजीपी-एसएसपी को सौंपा ज्ञापन

चंडीगढ़/यूटर्न/16 जून। सेक्टर-11 स्थित एक केमिस्ट की दुकान के कर्मचारी की दिनदहाड़े हुई नृशंस हत्या के बाद शहर की कानून-व्यवस्था को लेकर चिंताएं बढ़ने लगी हैं। इसी क्रम में नेशनल

ह्यूमन राइट्स एंड एंटी-करप्शन फोर्स, चंडीगढ़ के एक प्रतिनिधिमंडल ने चंडीगढ़ पुलिस के डीजीपी और एसएसपी से मुलाकात कर शहर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग उठाई। प्रतिनिधिमंडल में संगठन के अध्यक्ष कमलजीत सिंह पंछी, चेयरमैन अनिल वोहरा, उपाध्यक्ष राजन महाजन, उपाध्यक्ष दिलजीत ठुकराल तथा सचिव रविंदर नाथ शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में सेक्टर-11 में हुई हत्या की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि इस तरह की वारदातों से शहरवासियों में भय और असुरक्षा का माहौल पैदा हो रहा है।

संगठन के पदाधिकारियों ने पुलिस अधिकारियों को ज्ञापन सौंपते हुए मानव जीवन एवं संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने, पुलिस गश्त को और अधिक प्रभावी बनाने तथा अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए सख्त और ठोस कदम उठाने की मांग की। उन्होंने कहा कि नागरिकों में बढ़ रही असुरक्षा की भावना को दूर करने के लिए पुलिस को सक्रिय और दृश्यमान कार्रवाई करनी चाहिए। प्रतिनिधिमंडल ने शहर में शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रभावी रणनीति अपनाने का भी आग्रह किया। इस दौरान डीजीपी और एसएसपी ने प्रतिनिधिमंडल की चिंताओं को गंभीरता से सुना और भरोसा दिलाया कि चंडीगढ़ पुलिस अपराधों की रोकथाम, कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा नागरिकों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। अधिकारियों ने हरसंभव सहयोग और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन भी दिया।

मॉर्निंग वॉक कर रहे कारोबारी से चेन झपटने वाला गिरफ्तार, चोरी का बाइक भी बरामद

जीरकपुर/यूटर्न/16 जून। ढकोली क्षेत्र में मॉर्निंग वॉक पर निकले कारोबारी से सोने की चेन झपटने की वारदात को पुलिस ने सुलझाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान लखविंदर सिंह उर्फ बग्गा निवासी गांव दयालपुरा के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान उसके कब्जे से एक चोरी का मोटरसाइकिल भी बरामद किया गया है। जानकारी के अनुसार रहमत होम्स निवासी कारोबारी सुमित कुमार ने शिकायत दी थी कि 30 मई की सुबह करीब 6:50 बजे वह डीपीएस स्कूल के नजदीक मॉर्निंग वॉक कर रहे थे। इसी दौरान मोटरसाइकिल पर आए एक युवक ने उनके गले से सोने की चेन झपट ली और मौके से फरार हो गया। घटना के बाद ढकोली थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और अन्य सुरागों के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया। जांच के लिए आरोपी को तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया, जहां उससे गहन पूछताछ की गई।

बॉलीवुड क्विज और डांस नाइट के साथ बॉलीवुड सोशल्स का आयोजन

लुधियाना/यूटर्न/16 जून। शहर में मनोरंजन, दोस्ती और सामुदायिक जुड़ाव का अनूठा संगम देखने को मिला, जब उत्साह क्लब द्वारा साउथ सिटी स्थित अंडरडॉग्स में बहुप्रतीक्षित ₹बॉलीवुड सोशल्स₹ का आयोजन किया गया। इस इवेंट में 35 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यूनाइटेड किंगडम की लोकप्रिय पब क्विज संस्कृति से प्रेरित इस आयोजन को बॉलीवुड थीम के साथ प्रस्तुत किया गया, जिसने प्रतिभागियों को मनोरंजन, प्रतियोगिता और नई दोस्तियों का अनोखा अनुभव प्रदान किया। इवेंट का मुख्य आकर्षण बॉलीवुड पब क्विज रहा, जिसमें प्रतिभागियों ने टीम बनाकर कई रोचक राउंड्स में हिस्सा लिया।

रूह से रूबरू

चारू नागपाल

जिम संस्कृति के बहाने युवाओं में फैशन की होड़ और पैसों का दिखावा

आज के समय में जिम संस्कृति युवाओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रही है। स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति जागरूक होना एक सकारात्मक पहलू है, लेकिन इसके साथ-साथ कुछ नकारात्मक प्रवृत्तियाँ भी देखने को मिल रही हैं। कई युवा जिम को केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं, बल्कि फैशन और सामाजिक प्रतिष्ठा दिखाने का साधन मानने लगे हैं।

महंगे ब्रांडेड कपड़े, जूते, घड़ियाँ और आधुनिक फिटनेस उपकरणों का प्रदर्शन जिम संस्कृति का हिस्सा बनता जा रहा है। सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें और

वीडियो साझा करके युवा दूसरों को प्रभावित करने का प्रयास करते हैं। इससे प्रतिस्पर्धा की भावना बढ़ती है और कई बार लोग अपनी आर्थिक क्षमता से अधिक खर्च करने लगते हैं।

कुछ युवाओं का ध्यान व्यायाम और स्वास्थ्य लाभ से हटकर केवल आकर्षक

दिखने और दूसरों से बेहतर दिखाने पर केंद्रित हो जाता है। परिणामस्वरूप, जिम का मूल उद्देश्य पीछे छूट जाता है। यह प्रवृत्ति समाज में दिखावे और उपभोगवाद को बढ़ावा देती है। अतः आवश्यक है कि युवा जिम को स्वास्थ्य, अनुशासन और आत्मविकास का माध्यम समझें, न कि फैशन और धन प्रदर्शन का मंच। सही सोच के साथ अपनाई गई जिम संस्कृति ही वास्तव में लाभदायक सिद्ध होगी।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

क्या पति-पत्नी की WhatsApp Chat Court में Private मानी जाती है?

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

आज के समय में अधिकांश वैवाहिक बातचीत WhatsApp पर होती है। जब पति-पत्नी के बीच विवाद बढ़ता है, तो अक्सर उनकी Chats अदालत में प्रस्तुत की जाती हैं। ऐसे में प्रश्न उठता है कि क्या ये Chats पूरी तरह Private मानी जाती हैं? सामान्य रूप से WhatsApp Chats निजी संवाद (private communication) होती हैं। लेकिन जब कोई विवाद अदालत तक पहुंच जाता है और वे उँ३ २ मामले से संबंधित होती हैं, तो उन्हें एव्ग़ील्लूी के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। अदालत केवल इस आधार पर Chats को अस्वीकार नहीं करती कि वे निजी बातचीत थीं। यदि वे किसी महत्वपूर्ण तथ्य, व्यवहार, धमकी, आर्थिक विवाद, क्रूरता या अन्य कानूनी मुद्दे को स्पष्ट करती हैं, तो उनका महत्व हो सकता है ।हालांकि, अदालत यह भी देखती है कि Chats वास्तविक हैं या नहीं, उनमें किसी प्रकार की छेड़छाड़ तो नहीं हुई, और उन्हें कानूनी तरीके से प्रस्तुत किया गया है या नहीं। यह भी ध्यान देने योग्य है कि केवल कुछ चुनिंदा Messages दिखाने के बजाय पूरा Context महत्वपूर्ण होता है। कई बार अधूरी Chats गलत तस्वीर पेश कर सकती हैं।

आज के डिजिटल युग में लोग यह मान लेते हैं कि WhatsApp पर लिखा गया हर शब्द पूरी तरह निजी रहेगा, लेकिन यदि विवाद अदालत तक पहुंचता है, तो वही बातचीत Evidence बन सकती है।

इसलिए Online Communicationमें भी संयम और जिम्मेदारी आवश्यक है।

निष्कर्ष: WhatsApp Chats सामान्यत: निजी होती हैं, लेकिन यदि वे किसी कानूनी विवाद से संबंधित हों, तो अदालत में Evidence के रूप में प्रस्तुत की जा सकती हैं। Digital बातचीत को भी उतनी ही सावधानी से करना चाहिए जितनी किसी लिखित दस्तावेज को।

चंडीगढ़ में पहली बार वार्ड-वाइज मेगा डीप क्लीनिंग अभियान शुरू

मेयर सौरभ जोशी ने सेक्टर-15 से की शुरूआत

चंडीगढ़/यूटर्न/16 जून। शहर को स्वच्छ, हरित और नागरिक-अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए चंडीगढ़ के मेयर सौरभ जोशी ने सोमवार को सेक्टर-15 से शहर के पहले वार्ड-वाइज मेगा डीप क्लीनिंग अभियान की शुरूआत की। मेयर सौरभ जोशी ने कहा कि यह मॉडल अभियान चरणबद्ध तरीके से शहर के सभी वार्डों में लागू किया जाएगा।

अभियान की शुरूआत भावुक और प्रेरणादायक माहौल में हुई, जब मेयर सौरभ जोशी ने महिला सफाई कर्मियों के पैर धोकर और तिलक लगाकर उनका सम्मान किया। उन्होंने सफाई मित्रों को शहर की स्वच्छता व्यवस्था की रीढ़ बताते हुए कहा कि स्वच्छ चंडीगढ़ का सपना उनके समर्पण और मेहनत के बिना संभव नहीं है।

कार्यक्रम में पंजाब विश्वविद्यालय के प्रोफेसर परवीन कुमार के नेतृत्व में एनएसएस स्वयंसेवकों, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए), मार्केट वेलफेयर एसोसिएशन (एमडब्ल्यूए), स्थानीय निवासियों तथा नगर निगम के विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर नगर निगम के संयुक्त आयुक्त बलबीर राज सिंह, अधीक्षण अभियंता, कार्यकारी अभियंता, स्वास्थ्य पर्यवेक्षक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। अभियान शुरू करने से पहले मेयर ने सेक्टर-15 के आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्रों का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित विभागों को बेहतर योजना, आपसी समन्वय और पर्याप्त संसाधनों के उपयोग के निर्देश दिए।

मेयर सौरभ जोशी ने बताया कि सेक्टर-15 को इस पहल के तहत पहले मॉडल वार्ड के रूप में चुना गया है। उन्होंने घोषणा की कि अभियान का अगला चरण वार्ड नंबर 4, 5 और 6 में चलाया जाएगा, जिसके बाद इसे पूरे शहर में विस्तार दिया जाएगा।

क्राइम एंड एन्क्रोचमेंट फ्री मिशन के तहत पंचकूला में अवैध झुग्गियों पर चला बुलडोजर

पंचकूला/यूटर्न/16 जून। शहर को अपराध और अतिक्रमण मुक्त बनाने के उद्देश्य से पंचकूला पुलिस ने बड़े स्तर पर अभियान शुरू किया है। पुलिस आयुक्त पंकज नैन के नेतृत्व में चलाए जा रहे ह्लक्राइम एंड एन्क्रोचमेंट फ्री मिशनह्व के तहत सड़क किनारे अवैध रूप से बनाई गई झुग्गी-झोंपड़ियों और अस्थायी ठिकानों पर कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस प्रशासन द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में रह रहे प्रवासियों और संदिग्ध व्यक्तियों का सत्यापन किया जा रहा है। पहचान और जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) के सहयोग से अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने बताया कि सोमवार को सेक्टर-5 थाना क्षेत्र में यवनिका पार्क और परेड ग्राउंड के समीप विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान एचएसवीपी के सहयोग से अवैध रूप से बनाई गई झुग्गियों को बुलडोजर की सहायता से हटाकर क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था और कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

हाईवे पर गलत दिशा में दौड़ी सरकारी बस, ट्रैफिक पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

मिलन

लुधियाना/यूटर्न/16 जून। स्मार्ट सिटी लुधियाना में जहां ट्रैफिक पुलिस आए दिन दोपहिया वाहन चालकों और आम नागरिकों के खिलाफ ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई करती है, वहीं एक सरकारी बस के हाईवे पर कथित रूप से गलत दिशा में चलते पाए जाने से कई गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि एक सरकारी बस हाईवे पर गलत दिशा में चलती दिखाई दे रही है। वीडियो सामने आने के बाद सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक नियमों के पालन को लेकर नई बहस छिड़ गई है। शहर में अक्सर देखा जाता है कि कुछ दोपहिया वाहन चालक सुविधा या समय बचाने के लिए गलत दिशा में वाहन चला लेते हैं। ऐसे मामलों में ट्रैफिक पुलिस द्वारा चालान काटे जाते हैं और नियमों का पालन करने की अपील की जाती है। लेकिन जब एक भारी-भरकम सरकारी बस ही गलत दिशा में चलती दिखाई दे, तो यह मामला कहीं अधिक गंभीर बन जाता है।

रॉन्ग साइड वाहन हादसे का बड़ा कारण

विशेषज्ञों का मानना है कि हाईवे पर गलत दिशा में चलने वाले बड़े वाहन दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बन सकते हैं। यदि किसी मोड़ या कट के पास सामने से तेज गति से वाहन आ जाए तो आमने-सामने की टक्कर की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे हादसों में केवल बस चालक ही नहीं बल्कि बस में सवार यात्री, अन्य वाहन चालक और राहगीर भी प्रभावित हो सकते हैं।

पुलिस की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि कोई आम नागरिक ट्रैफिक नियम तोड़ता है तो पुलिस उनके घर तक आकर चलान जारी करके जाती है, लेकिन सरकारी वाहनों द्वारा नियमों के उल्लंघन के मामलों में अक्सर सख्ती दिखाई नहीं देती। लोगों का सवाल है कि क्या ट्रैफिक नियम सभी के लिए समान हैं या फिर सरकारी वाहनों के लिए अलग व्यवस्था है? घटना ने ट्रैफिक पुलिस की निगरानी व्यवस्था पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिया है। यदि व्यस्त हाईवे पर एक सरकारी बस गलत दिशा में चल रही थी, तो क्या संबंधित अधिकारियों की नजर इस पर नहीं पड़ी? और यदि पड़ी तो फिर तत्काल कार्रवाई क्यों नहीं की गई?

वीडियो की जांच कराने की मांग

शहरवासियों ने मांग की है कि वीडियो की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित चालक और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए। लोगों का कहना है कि सड़क सुरक्षा के नियमों का सम्मान तभी सुनिश्चित हो सकता है जब कानून का पालन कराने वाली एजेंसियां बिना किसी भेदभाव के सभी पर समान रूप से कार्रवाई करें। जिसके चलते अब निगाहें ट्रैफिक पुलिस और परिवहन विभाग पर टिकी हैं कि इस मामले में क्या कदम उठाए जाते हैं।

नया आयकर अधिनियम 2025 टैक्सदाताओं के लिए होगा अधिक सरल और पारदर्शी

लुधियाना/यूटर्न/16 जून। आयकर विभाग द्वारा लुधियाना में आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में नए आयकर अधिनियम 2025 की प्रमुख विशेषताओं और इसके लाभों की जानकारी साझा की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य करदाताओं, उद्योग जगत और कर सलाहकारों को नए कानून से अवगत कराना था ताकि वे समय रहते बदलावों को समझ सकें। अधिकारियों ने बताया कि नया आयकर अधिनियम सरल भाषा और स्पष्ट प्रावधानों के साथ तैयार किया गया है, जिससे आम करदाताओं को नियमों को समझने और उनका पालन करने में आसानी होगी। इससे कर व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ेगी और अनावश्यक जटिलताओं में कमी आएगी।

विशेषज्ञों ने टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स (TDS) और टैक्स कलेक्टेड एट सोर्स (TCS) से जुड़े नए प्रावधानों की जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि करदाताओं और संस्थानों की सक्रिय भागीदारी नए कानून को प्रभावी ढंग से लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने विभिन्न सवाल पूछे और नए अधिनियम को लेकर अपने सुझाव भी दिए। आयकर विभाग ने स्पष्ट किया कि जागरूकता अभियान आगे भी जारी रहेंगे ताकि अधिक से अधिक लोग नए नियमों को समझ सकें। विशेषज्ञों का मानना है कि नया आयकर अधिनियम 2025 करदाताओं के लिए प्रक्रियाओं को आसान बनाने, अनुपालन बढ़ाने और कर प्रणाली में विश्वास मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

नए नगर निगम कमिश्नर ओजस्वी अलंकार ने संभाला पदभार, सफाई और विकास को बताया सर्वोच्च प्राथमिकता

लुधियाना/यूटर्न/16 जून। 2020 बैच के आईएएस अधिकारी ओजस्वी अलंकार ने सोमवार को नगर निगम लुधियाना के कमिश्नर के रूप में कार्यभार संभाल लिया। पदभार ग्रहण करने के दौरान डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन भी उनके साथ मौजूद रहे। नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया, जबकि पंजाब पुलिस की टुकड़ी ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया। सराभा नगर स्थित जोन-डी कार्यालय में कार्यभार संभालने के तुरंत बाद ओजस्वी अलंकार ने नगर निगम की विभिन्न शाखाओं के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को फील्ड में सक्रिय रहने और जनता को पारदर्शी, जवाबदेह एवं प्रभावी सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। नवनियुक्त कमिश्नर ने कहा कि शहर में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाना, मानसून से पहले जरूरी तैयारियां पूरी करना, नागरिक सेवाओं में सुधार, सरकार की प्रमुख योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करना तथा विकास कार्यों में तेजी लाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकाय मंत्री हरजोत सिंह बैंस के नेतृत्व में चल रहे 'मिशन क्लीन पंजाब' के तहत शहरभर में विशेष सफाई अभियान चलाए जाएंगे। बाद में उन्होंने मेयर इंद्रजीत कौर, सीनियर डिप्टी मेयर राकेश प्रशर और डिप्टी मेयर प्रिंस जौहर के साथ वित्त एवं ठेका समिति (एफ एंड सीसी) की बैठक में भी भाग लिया। पूर्व में ग्लाडा में सेवाएं दे चुके और शहर के निवासी ओजस्वी अलंकार ने कहा कि वे लुधियाना की समस्याओं से भलीभांति परिचित हैं तथा शहर के समग्र विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने नागरिकों से भी स्वच्छता और ठोस कचरा प्रबंधन में सहयोग की अपील की।

35.20 ग्राम हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार, मामला दर्ज

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/16/जून। नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत लुधियाना देहाती पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 35.20 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बस स्टैंड पुलिस चौकी की टीम गश्त पर तैनात थी। इसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि आरोपी, जिसकी पहचान बलराज सिंह के रूप में हुई है, नशा तस्करी का काम करता है। पुलिस ने संदेह के आधार पर जब आरोपी की तलाशी ली, तो उसके पास से 35.20 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

पुलिस ने बरामद नशीले पदार्थ को कब्जे में ले लिया है और आरोपी बलराज सिंह के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट (NDPS Act) के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर इस तस्करी के नेटवर्क के बारे में और जानकारी जुटाने का प्रयास कर रही है।

डोर-टू-डोर गारबेज कलेक्टर्स की समस्याओं पर फूटा गुस्सा, समाधान न होने पर आंदोलन की चेतावनी

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/16 जून। डोर-टू-डोर गारबेज कलेक्शन सोसाइटी की एक विशेष बैठक में शहर की सफाई व्यवस्था से जुड़े कर्मचारियों की लंबित समस्याओं को लेकर नगर निगम प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई गई। बैठक की अध्यक्षता सोसाइटी के प्रधान धर्मवीर राणा ने की, जिसमें कैबिनेट सदस्यों और गारबेज कलेक्टर्स ने फील्ड में आ रही विभिन्न समस्याओं को विस्तार से रखा। बैठक में प्रधान धर्मवीर राणा ने कहा कि डोर-टू-डोर गारबेज कलेक्शन सोसाइटी लंबे समय से नगर निगम के साथ मिलकर शहर को स्वच्छ रखने में अहम भूमिका निभा रही है, लेकिन इसके बावजूद गारबेज कलेक्टर्स की जायज मांगों की लगातार अनदेखी की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि निगम अधिकारी कर्मचारियों की

समस्याओं के समाधान के प्रति गंभीर नहीं हैं।

बैठक में कमर्शियल एरिया में कार्यरत गारबेज कलेक्टर्स के लंबित एमओयू (समझौते) का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। सोसाइटी के अनुसार कई कर्मचारियों के एमओयू अब तक पूरे नहीं हो पाए हैं, जिससे उनके कार्य और भुगतान दोनों प्रभावित हो रहे हैं। इसके अलावा शहर में कचरा संग्रहण के लिए इस्तेमाल होने वाली 100 से अधिक नगर निगम की गाड़ियों के खराब होने पर भी चिंता व्यक्त की गई। सोसाइटी का कहना है कि लंबे समय से इन वाहनों की मरम्मत नहीं करवाई गई, जिसके कारण कई क्षेत्रों में समय पर कचरा संग्रहण नहीं हो पा रहा और कर्मचारियों के साथ-साथ स्थानीय लोग भी परेशान हैं।

बैठक में बायोमेट्रिक अटेंडेंस प्रणाली को लेकर भी सवाल उठाए गए। कर्मचारियों का कहना है कि तकनीकी जानकारी और स्मार्टफोन के सीमित उपयोग के कारण कई गारबेज कलेक्टर्स की उपस्थिति दर्ज नहीं हो पा रही है। सोसाइटी ने प्रशासन से इस समस्या के समाधान के लिए वैकल्पिक व्यवस्था लागू करने की मांग की।

कच्चे तेल की कीमतें घटीं, फिर भी जनता को राहत नहीं दे रही मोदी सरकारः एच.एस. लक्की

पेट्रोल-डीजल और गैस सिलेंडरों की कीमतें कम करने की मांग

चंडीगढ़/यूटर्न/16 जून। चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एच.एस. लक्की ने केंद्र सरकार से पेट्रोल, डीजल, घरेलू एलपीजी और कमर्शियल गैस सिलेंडरों की कीमतों में तत्काल कटौती करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने के बावजूद आम जनता को इसका लाभ नहीं दिया जा रहा है। लक्की ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि वैश्विक परिस्थितियों में सुधार और

अमेरिका-ईरान के बीच सकारात्मक बातचीत के चलते अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में स्थिरता आई है। इसके परिणामस्वरूप कच्चे तेल की कीमतें पहले के मुकाबले काफी कम हुई हैं। उन्होंने दावा किया कि जो कीमतें कुछ समय पहले करीब 100 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं, वे अब लगभग 80 डॉलर प्रति बैरल के आसपास आ गई हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ी थीं, तब केंद्र सरकार और तेल कंपनियों ने तत्काल पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ाकर उसका पूरा बोझ आम जनता पर डाल दिया था। लेकिन अब जब तेल सस्ता हो रहा है तो सरकार जनता को राहत देने के बजाय मुनाफाखोरी में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि देश का आम नागरिक पहले ही महंगाई से परेशान है। खाद्य वस्तुओं, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन की बढ़ती लागत ने लोगों के घरेलू बजट पर अतिरिक्त दबाव डाल दिया है। ऐसे में ईंधन और रसोई गैस की ऊंची कीमतें लोगों की मुश्किलें और बढ़ा रही हैं।

एमएसएमई टेक्सटाइल सेक्टर में ऊर्जा दक्षता बढ़ाने पर कार्यशाला आयोजित

लुधियाना/यूटर्न/16 जून। पंजाब ऊर्जा विकास एजेंसी (PEDA) और GIZ द्वारा जिला उद्योग केंद्र (DIC), ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी (इएए) तथा विभिन्न टेक्सटाइल एमएसएमई संगठनों के सहयोग से 'एमएसएमई में ऊर्जा दक्षता को गति देना' विषय पर एक दिवसीय तकनीकी कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 60 से अधिक उद्योग प्रतिनिधियों, ऊर्जा विशेषज्ञों, सलाहकारों और सरकारी अधिकारियों ने भाग लिया।

कार्यशाला में टेक्सटाइल एमएसएमई एसोसिएशन के अध्यक्ष विनोद थापर, डीआईसी के महाप्रबंधक एस.एस. रेखी सहित विभिन्न औद्योगिक संगठनों के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान ADEETIE और RAMP योजनाओं के तहत ऊर्जा दक्षता बढ़ाने, संसाधनों के बेहतर उपयोग, नई तकनीकों को अपनाने तथा एमएसएमई क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता और स्थिरता को मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा की गई।

एमजीएसआईपीए के प्रो. डॉ. संजीव चड्ढा, पेडा इंजीनियर मनी खन्ना, जीआईजेड के नितिन, हिमांशु और सिद्धार्थ, ISHRAE लुधियाना के अध्यक्ष जीत सिंह, यूनिसेफ सलाहकार अंशु कुमार तथा ऊर्जा ऑडिटर देविंदर सिंह, मनप्रीत सिंह और अरविंद ढींगरा भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में बताया गया कि पेडा, उद्योग विभाग पंजाब के सहयोग से राज्यभर में 1875 ऊर्जा ऑडिट कर रहा है। विशेषज्ञों ने ऊर्जा दक्षता अपनाने के लिए वित्तीय सहायता, तकनीकी सहयोग और जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। सभी हितधारकों ने ऊर्जा खपत कम करने और सतत औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

हेलमेट वापस न करने को लेकर विवाद, मां-बेटे पर युवक से मारपीट का आरोप

जीरकपुर/यूटर्न/16 जून। बलटाना स्थित गिल कॉलोनी निवासी राजन ने आरोप लगाया है कि हेलमेट वापस न करने को लेकर हुए विवाद में एक युवक और उसकी मां ने उस पर ईंट और डंडे से हमला कर दिया। हमले में राजन घायल हो गया, जिसके सिर पर चोट लगने के बाद तीन टांके लगे हैं, जबकि उसके हाथ में फ्रैक्चर बताया गया है। राजन के अनुसार कुछ दिन पहले उसने अपने एक दोस्त को उसके दूसरे दोस्त अमन से हेलमेट इस्तेमाल करने के लिए दिलवाया था। बाद में हेलमेट गुम हो जाने के कारण अमन और उसकी मां उसके घर पहुंचे और घर के बाहर पड़े डंडे व ईंट से उस पर हमला कर दिया।

राजन ने बताया कि हमले के दौरान उसने बचाव के लिए हाथ आगे किया, जिससे उसके हाथ में चोट लग गई और फ्रैक्चर हो गया। इसके अलावा सिर पर भी चोट आई है। मामले को लेकर राजन ने बलटाना पुलिस चौकी में शिकायत दर्ज करवाई है। राजन के मुताबिक पुलिस ने पहले उसे इलाज करवाने की सलाह दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मामले संबंधी शिकायत प्राप्त हुई है। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। शिकायतकर्ता के बयान दर्ज कर नियमानुसार अगली कार्रवाई की जाएगी।

सरकारी गली पर अवैध कब्जे की कोशिश का आरोप, दो लोगों के खिलाफ पूरी कॉलोनी एकजुट

जीरकपुर/यूटर्न/16 जून। यादविंदरा एन्क्लेव, बलटाना के पास बिग बाजार क्षेत्र में सरकारी गली में टाइलें लगाने का काम पिछले कई दिनों से रुका हुआ है। कॉलोनी निवासियों का आरोप है कि रणजीत सिंह पुत्र प्रीतम सिंह और जसवंत सिंह पुत्र भंगी मिलकर इस सरकारी गली पर अवैध कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। इस मामले में पूरी कॉलोनी एकजुट होकर इसका विरोध कर रही है। कॉलोनी निवासियों ओम प्रकाश, संदीप धीमान, कुलदीप सिंह, पंकज कुमार, पीरदिया, तनवीर खान एवं समस्त कॉलोनी निवासी, यादविंदरा एन्क्लेव के अनुसार, दोनों व्यक्ति इस सरकारी गली को अपना प्लॉट बताकर दावा कर रहे हैं, जबकि यह जगह शामलात यानी सरकारी साझा जमीन है, जिस पर किसी व्यक्ति का निजी अधिकार नहीं है। विवाद के दौरान मंगलवार को स्थिति उस समय तनावपूर्ण हो गई जब आरोप है कि रणजीत सिंह और जसवंत सिंह ने महिलाओं के साथ हाथापाई की और जूती निकालकर मारने की कोशिश की। घटना के बाद क्षेत्र में भारी रोष पाया जा रहा है। विवाद के चलते गली में टाइल लगाने का विकास कार्य पूरी तरह बंद पड़ा है। इससे कॉलोनी के लोगों, खासकर बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कॉलोनी निवासियों ने प्रशासन और पुलिस से मांग की है कि सरकारी गली पर कब्जे की कोशिश को तुरंत रोका जाए, महिलाओं से कथित दुर्व्यवहार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और रुका हुआ विकास कार्य दोबारा शुरू करवाया जाए।

यूटर्न टाइम

मंत्री बिट्टू का बड़ा ऐलानः ब्यास रेलवे स्टेशन बनेगा आधुनिक ट्रांजिट हब, वंदे भारत का सफर भी होगा तेज

ब्यास रेलवे स्टेशन का ₹62 करोड़ की लागत से पुनर्विकास स्वीकृत : श्री रवनीत सिंह, रेल राज्य मंत्री एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री

अमृतसर/यूटर्न/16 जून। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत ब्यास जंक्शन रेलवे स्टेशन का लगभग ₹62 करोड़ की लागत से पुनर्विकास किया जा रहा है, ताकि भविष्य में बढ़ने वाली यात्री संख्या की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके तथा यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। यह जानकारी आज रेल राज्य मंत्री एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री श्री रवनीत सिंह ने दी।

उन्होंने बताया कि ब्यास रेलवे स्टेशन वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 106 ट्रेनों का संचालन संभालता है, जिनमें 98 ठहरने वाली तथा 8 प्रारंभ अथवा समाप्त होने वाली ट्रेनें शामिल हैं। वर्तमान में स्टेशन पर प्रतिदिन लगभग 6,166 यात्रियों की आवाजाही होती है, जो भविष्य में बढ़कर लगभग 19,500 यात्रियों प्रतिदिन होने का अनुमान है। पुनर्विकास परियोजना के अंतर्गत जी.टी. रोड की ओर एक नए स्टेशन भवन का निर्माण किया जाएगा, जबकि मौजूदा स्टेशन भवन की विरासत शैली एवं स्थापत्य विशेषताओं को सुरक्षित रखा जाएगा।

श्री रवनीत सिंह ने आज घोषित दोनों महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी तथा माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का पंजाब और पंजाबियों के प्रति विशेष स्नेह और लगाव है तथा केंद्र सरकार राज्य के विकास और बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। स्टेशन के पुनर्विकास के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि एक नया प्लेटफॉर्म बनाया जाएगा, जिससे प्लेटफॉर्मों की संख्या दो से बढ़कर तीन हो जाएगी और परिचालन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

पंजाब विधानसभा में 'भारत विभूषण' सम्मान से सम्मानित हुए किशोर कुमार

चंडीगढ़/मुंबई/यूटर्न/16 जून। समाज सेवा, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए श्री किशोर कुमार को पंजाब विधानसभा में आयोजित एक भव्य समारोह के दौरान 'भारत विभूषण राष्ट्रीय सम्मान' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान पंजाब विधानसभा के अध्यक्ष सरदार कुलतार सिंह संधवान द्वारा प्रदान किया गया। श्री किशोर कुमार ने अपने सामाजिक कार्यों के माध्यम से शिक्षा, युवाओं के सशक्तिकरण, उद्यमिता और पर्यावरण संरक्षण को नई दिशा दी है। उनकी अगुवाई में कार्यरत स्वर्ण भारत

फाउंडेशन युवाओं को रोजगार तलाशने वाला नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाला बनाने के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। संस्था नेतृत्व विकास, कौशल प्रशिक्षण और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम चला रही है। वहीं, तुलसी फाउंडेशन इंडिया पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन का रूप देने में जुटी है। 'हर घर तुलसी', 'हर गांव वृंदावन', 'मिनी गार्डन' और 'मिनी जंगल' जैसे अभियानों के जरिए लाखों लोगों को पौधारोपण और हरित जीवनशैली से जोड़ा जा रहा है। सम्मान प्राप्त करने के बाद किशोर कुमार ने पंजाब सरकार, मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया।

शिरोमणि अकाली दल को झटका, सेखपुर कलां के सरपंच अजब सिंह AAP में शामिल

डेराबस्सी/यूटर्न/16 जून। डेराबस्सी हलके में आम आदमी पार्टी को उस समय मजबूती मिली जब गांव सेखपुर कलां के सरपंच अजब सिंह ने अपने समर्थकों सहित शिरोमणि अकाली दल छोड़कर आम आदमी पार्टी का दामन थाम लिया। यह शामिलीकरण कार्यक्रम विधायक कुलजीत सिंह रंधावा की मौजूदगी में आयोजित किया गया। इस अवसर पर विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने सरपंच अजब सिंह और उनके समर्थकों का पार्टी में स्वागत करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी की जनहितैषी नीतियों और पंजाब सरकार के विकास कार्यों से प्रभावित होकर विभिन्न वर्गों के लोग लगातार पार्टी से जुड़ रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि अजब सिंह के शामिल होने से गांव स्तर पर संगठन को और मजबूती मिलेगी तथा पार्टी की जनसेवा गतिविधियों को बल मिलेगा। सरपंच अजब सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान

के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, रोजगार, खेल और ग्रामीण विकास के क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों से प्रभावित होकर उन्होंने यह फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने कम समय में जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप काम करके एक नई कार्यशैली प्रस्तुत की है। अजब सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति मिली है और लोगों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। इसी सोच और विकास एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने आम आदमी पार्टी का साथ देने का निर्णय लिया है। विधायक रंधावा ने कहा कि पंजाब सरकार जनता से किए गए वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है और इसी कारण बड़ी संख्या में लोग पार्टी की नीतियों पर भरोसा जता रहे हैं।

यह 200 शब्दों की संक्षिप्त समाचार/लेख शैली में प्रस्तुति है:

पंजाब के एडेड स्कूल कर्मचारियों की समस्याओं का स्थायी समाधान है सरकारी स्कूलों में विलय

पटियाला/यूटर्न/16 जून। सेवानिवृत्त शिक्षाविद् एवं अंतरराष्ट्रीय लेखक अनिल कुमार भारती ने कहा है कि पंजाब के एडेड स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों और कर्मचारियों के सुरक्षित भविष्य के लिए उनका सरकारी स्कूलों में पूर्ण विलय ही एकमात्र व्यावहारिक समाधान है। उन्होंने बताया कि कभी राज्य के 484 एडेड स्कूलों में लगभग 10 हजार कर्मचारी कार्यरत थे, जबकि आज यह संख्या घटकर करीब 1300 रह गई है। भारती के अनुसार एडेड स्कूल कर्मचारियों को समय पर वेतन, पदोन्नति, एसीपी लाभ, मेडिकल सुविधाएं और अन्य

वित्तीय अधिकार नहीं मिल रहे हैं। कई कर्मचारियों को वर्षों तक वेतन का इंतजार करना पड़ता है और अपने अधिकारों के लिए अदालतों का सहारा लेना पड़ता है। वहीं स्कूलों में स्टाफ की भारी कमी के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में विलय होने से अनुभवी शिक्षकों की सेवाओं का लाभ शिक्षा विभाग को मिलेगा तथा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा। वर्तमान में कर्मचारियों के वेतन का 95 प्रतिशत हिस्सा सरकार पहले ही वहन कर रही है। साथ ही पीएफ खातों में जमा बड़ी राशि भी सरकारी खजाने को मजबूती दे सकती है। उन्होंने पंजाब सरकार से मांग की कि हरियाणा, राजस्थान और हिमाचल प्रदेश की तर्ज पर एडेड स्कूल स्टाफ का पूर्ण पेंशन और पे-प्रोटेक्शन के साथ सरकारी स्कूलों में विलय किया जाए।

मुख्यमंत्री भगवंत मान के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग, बबली ढिल्लों ने उठाए सवाल

बठिंडा/यूटर्न/16 जून। शिरोमणि अकाली दल के बठिंडा शहरी हलका प्रभारी इकबाल सिंह बबली ढिल्लों ने मुख्यमंत्री भगवंत मान के खिलाफ बेअदबी कानून के तहत मामला दर्ज करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि गुरु साहिबानों की तस्वीरों से जुड़े कथित विवादित वीडियो की दो प्रयोगशालाओं की रिपोर्ट सामने आने के बाद सरकार को इस मामले में गंभीरता से कार्रवाई करनी चाहिए। बबली ढिल्लों ने बयान जारी कर कहा कि जब यह वीडियो पहली बार सामने आया था, तब मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से तैयार किया गया वीडियो बताया था। बाद में इस मामले को लेकर सिख संगतों में व्यापक चर्चा हुई और श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ने भी वीडियो की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई थी।

उन्होंने दावा किया कि अब दो प्रयोगशालाओं की रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट हो चुकी है और यदि वीडियो सही पाया गया है तो कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। ढिल्लों ने कहा कि सिख भावनाओं से जुड़े मामलों में किसी भी तरह का पक्षपात नहीं होना चाहिए और कानून सभी के लिए समान होना चाहिए। उन्होंने नैतिक आधार पर मुख्यमंत्री से इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि इस कथित घटना से करोड़ों लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। साथ ही चेतावनी दी कि कार्रवाई न होने पर आम आदमी पार्टी के नेताओं का जनस्तर पर विरोध किया जाएगा।

21 साल बाद भी अधूरी सुविधाओं का इंतजार: शिवालिक गार्डन की बदहाली पर भड़के लोग

ओपन एयर थिएटर से लेकर वॉशरूम तक की मांग, 20 एकड़ में फैला मनीमाजरा का सबसे बड़ा पार्क विकास की राह देख रहा

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/16 जून। मनीमाजरा की पहचान बन चुका शिवालिक गार्डन आज भी कई बुनियादी सुविधाओं के अभाव से जूझ रहा है। करीब 20 एकड़ क्षेत्र में फैला यह पार्क पिछले 21 वर्षों से स्थानीय लोगों के लिए सैर, व्यायाम, सामाजिक मेल-मिलाप और मनोरंजन का प्रमुख केंद्र बना हुआ है, लेकिन समय के साथ इसकी सुविधाओं में अपेक्षित विस्तार नहीं हो पाया। अब क्षेत्र के लोगों और समाजसेवियों ने पार्क की बदहाल व्यवस्था को लेकर प्रशासन और नगर निगम के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

समाजसेवी रामेश्वर गिरी और राजबीर सिंह भारतीय ने कहा कि शिवालिक गार्डन केवल एक पार्क नहीं, बल्कि मनीमाजरा की सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान है। इसके बावजूद वर्षों से यहां जरूरी सुविधाओं की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने कहा कि हजारों लोगों द्वारा प्रतिदिन उपयोग किए जाने वाले इस पार्क की स्थिति को देखते हुए नगर निगम को तत्काल विशेष विकास योजना बनानी चाहिए।

शिवालिक गार्डन महिला शौचालय का ताला बंद

मेयर के कार्यकाल में बना था पार्क, ओपन एयर थिएटर का सपना अब भी अधूरा

समाजसेवियों ने बताया कि करीब 21 वर्ष पहले जब सरदार सुरेन्द्र सिंह नगर निगम के मेयर थे, तब उनके प्रयासों से शिवालिक गार्डन का निर्माण हुआ था। उस समय पार्क के साथ ओपन एयर थिएटर बनाने की योजना भी तैयार की गई थी, लेकिन दो दशक से अधिक समय बीत जाने के बावजूद यह परियोजना आज तक धरातल पर नहीं उतर सकी। उन्होंने कहा कि लगभग तीन लाख आबादी वाले मनीमाजरा में आज तक कोई ऐसा सांस्कृतिक मंच नहीं है, जहां स्थानीय कलाकार, युवा और बच्चे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। ओपन एयर थिएटर की मांग वर्षों से लंबित है, लेकिन प्रशासन ने इस ओर कोई गंभीर कदम नहीं उठाया।

हजारों लोग पहुंचते हैं पार्क, लेकिन वॉशरूम की सुविधा नहीं

रामेश्वर गिरी और राजबीर सिंह भारतीय ने कहा कि शिवालिक गार्डन में दिनभर 400 से 500 लोग मौजूद रहते हैं, जबकि सुबह और शाम यह संख्या हजारों तक पहुंच जाती है। इसके बावजूद पार्क में पर्याप्त वॉशरूम नहीं हैं। जो वॉशरूम मौजूद हैं, वे अक्सर बंद रहते हैं या उन पर ताला लगा होता है। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा परेशानी बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को होती है। एक गेट से दूसरे गेट तक जाने में लोगों को लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। अतिरिक्त वॉशरूम बनाने की मांग कई बार नगर निगम के समक्ष रखी जा चुकी है, लेकिन फाइलें अब भी दफ्तरों में धूल फांक रही हैं।

बच्चों के लिए नहीं खेल मैदान, पार्क में खेलने पर भी रोक

समाजसेवियों ने आरोप लगाया कि मनीमाजरा में बच्चों के लिए कोई बड़ा खेल मैदान उपलब्ध नहीं है। ऐसे में बच्चे शिवालिक गार्डन में क्रिकेट और अन्य खेल खेलने पहुंचते हैं, लेकिन कई बार कर्मचारियों द्वारा उन्हें रोक दिया जाता है या उनका सामान जब्त कर लिया जाता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के एकमात्र बड़े मैदान का उपयोग 247 पानी आपूर्ति के पायलट प्रोजेक्ट के लिए किया गया था, जो सफल नहीं हो सका। इसके चलते खेल मैदान भी समाप्त हो गया और आज भी उससे जुड़ी विजिलेंस जांच लंबित है। इससे बच्चों और युवाओं के लिए खेल सुविधाएं लगभग समाप्त हो चुकी हैं।

खराब वाटर कूलर, सफाई व्यवस्था और सुरक्षा पर भी सवाल

समाजसेवियों ने कहा कि पार्क में लगा वाटर कूलर लंबे समय से खराब पड़ा है और ठंडे पानी की जगह गर्म पानी दे रहा है। इसके अलावा सफाई व्यवस्था को लेकर भी लोगों में नाराजगी है। बाहर रखे डस्टबिनों और पार्क के भीतर सफाई की नियमित निगरानी नहीं हो रही। उन्होंने मांग की कि पार्क में तैनात कर्मचारियों की संख्या, उनकी ड्यूटी और संपर्क नंबरों की जानकारी वाला सूचना बोर्ड लगाया जाए, ताकि लोगों को शिकायतों और सुझावों के लिए उचित माध्यम उपलब्ध हो सके। साथ ही सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पार्क में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

नगर निगम से तत्काल कार्रवाई की मांग

रामेश्वर गिरी और राजबीर सिंह भारतीय ने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि शिवालिक गार्डन के लिए विशेष विकास योजना बनाई जाए, पार्क की हरियाली और घास के संरक्षण पर ध्यान दिया जाए, अतिरिक्त वॉशरूम बनाए जाएं, खराब सुविधाओं को दुरुस्त किया जाए और 21 वर्षों से लंबित ओपन एयर थिएटर परियोजना को जल्द शुरू किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते इन मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो मनीमाजरा के लोग अपने अधिकारों और सुविधाओं के लिए एकजुट होकर आवाज उठाने को मजबूर होंगे। उनका कहना है कि शिवालिक गार्डन की अनदेखी अब क्षेत्रवासी और अधिक समय तक बर्दाश्त नहीं करेंगे।

सुषमा वैलेंसिया के 700 परिवारों की बिजली-पानी समस्या जल्द होगी हल, दीपक चौहान ने दिया आश्वासन

चंडीगढ़/यूटर्न/16 जून। आम आदमी पार्टी के नेता संदीप दहिया के नेतृत्व में सुषमा वैलेंसिया सोसाइटी के प्रतिनिधिमंडल ने पंजाब लार्ज स्केल इंडस्ट्रियल बोर्ड के अध्यक्ष दीपक चौहान से मुलाकात कर सोसाइटी के निवासियों की लंबे समय से चली आ रही बिजली और पानी की समस्या को उठाया। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि सुषमा वैलेंसिया सोसाइटी के लगभग 700 परिवार पिछले तीन महीनों से बिजली कनेक्शन और पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं। भीषण गर्मी और उमस के बीच लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उनका दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है।

आम आदमी पार्टी के नेता संदीप दहिया ने बताया कि उन्होंने सोसाइटी निवासियों की समस्याओं से अध्यक्ष दीपक चौहान को अवगत कराया। इस दौरान दीपक चौहान ने प्रतिनिधिमंडल की बात विस्तार से सुनी और आश्वासन दिया कि संबंधित विभागों और अधिकारियों से बातचीत कर इस समस्या के समाधान के लिए प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने इस मामले से जुड़ी शिकायतों और न्यायालय के आदेशों की प्रतियां भी प्राप्त कीं तथा कहा कि सोसाइटी के निवासियों के हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। संदीप दहिया ने बताया कि इस मुद्दे को लेकर अजय सिंहरोहा लगातार उनके संपर्क में हैं। वहीं सोसाइटी के अध्यक्ष अधिवक्ता गुरिंदर सिंह भी इस मामले में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल में अनिल सिंहरोहा, अभिनव, मनोज (उपाध्यक्ष), मनिंदर कौर, विक्रम, गुरनाम सिंह और हिमांशु सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। बैठक के दौरान सभी ने सोसाइटी की मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की।

एनसीआर को मिलेगी नई रफ्तार: बनेगा रीजनल प्लान-2041, बसेंगी 4 नई 'नमो सिटी'

नई दिल्ली/चंडीगढ़/यूटर्न/16 जून। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के भविष्य को नई दिशा देने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। एनसीआर प्लानिंग बोर्ड की 42वीं बैठक में रीजनल प्लान-2041 तैयार करने पर सहमति बनी। इसके साथ ही आरआरटीएस (रैपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम) के साथ चार नए ग्रीनफील्ड शहर बसाने का भी ऐलान किया गया। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

बैठक के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि एनसीआर की मौजूदा सीमा में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2041 को ध्यान में रखते हुए शहरी विकास, पर्यावरण संरक्षण, इंफ्रास्ट्रक्चर और टिकाऊ विकास की योजना तैयार की जाएगी। रीजनल प्लान-2041 को अंतिम रूप देने के लिए केंद्र और चारों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों की एक सब-कमेटी बनाई गई है। यह समिति 15 अगस्त 2026 तक अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

बैठक का सबसे बड़ा फैसला रहा— आरआरटीएस नेटवर्क के साथ चार नए ग्रीनफील्ड शहर विकसित करना।

ब्राह्मण वेलफेयर बोर्ड के मुख्य प्रवक्ता बने धामी शर्मा

डेराबस्सी/यूटर्न/16 जून। हल्का डेराबस्सी के समाजसेवी और आम आदमी पार्टी के सक्रिय नेता धामी शर्मा को ब्राह्मण वेलफेयर बोर्ड, पंजाब सरकार का मुख्य प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति बोर्ड के चेयरमैन पंकज शारदा द्वारा की गई। नियुक्ति के बाद धामी शर्मा ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान, पंजाब मामलों के प्रभारी मनीष सिसोदिया, प्रदेश अध्यक्ष अमन अरोड़ा तथा बोर्ड चेयरमैन पंकज शारदा का आभार व्यक्त किया। धामी शर्मा ने कहा कि यह नियुक्ति उनके लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि वह पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ समाज और सरकार के बीच प्रभावी संवाद स्थापित करने का कार्य करेंगे। उनका प्रयास रहेगा कि सनातन समाज सहित सभी वर्गों की समस्याओं, सुझावों और अपेक्षाओं को उचित मंच तक पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि सामाजिक सद्भाव, भाईचारा और सकारात्मक संवाद को बढ़ावा देना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। साथ ही जरूरतमंद और उपेक्षित वर्गों की आवाज को मजबूती से उठाने का भी प्रयास किया जाएगा। धामी शर्मा ने कहा कि पंजाब सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रही है। जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना समय की जरूरत है।

पंजाब सरकार व्यापारियों का उत्पीड़न बंद करे, व्यापार अनुकूल माहौल बनाए: पंजाब प्रदेश व्यापार मंडल

लुधियाना/यूटर्न/16 जून। पंजाब प्रदेश व्यापार मंडल (रजि.) की एक विशेष बैठक माता रानी चौक स्थित कार्यालय में आयोजित की गई, जिसमें राज्य के व्यापार और उद्योग जगत से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में संगठन के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि पंजाब में व्यापार और उद्योग के लिए अनुकूल वातावरण नहीं होने के कारण व्यापारी वर्ग में भारी रोष है। बैठक में राज्य महासचिव सुनील मेहरा, राज्य सचिव आयुष अग्रवाल, जिला प्रधान परवीन गोयल, जिला अध्यक्ष पवन लहर, जिला महामंत्री परवीन शर्मा, अतुल कपूर, अश्वनी महाजन, रोमेश महाजन, उमेश सोनी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

व्यापार मंडल के नेताओं ने कहा कि पंजाब में नए उद्योग और निवेश लाने के बजाय मौजूदा व्यापारियों और उद्योगपतियों को विभिन्न विभागों द्वारा परेशान किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार जीएसटी रेड और भारी पेनल्टी पहले से ही आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे व्यापारियों के लिए अतिरिक्त बोझ बन रही हैं। बैठक में नेताओं ने दावा किया कि पंजाब का जीएसटी संग्रह पड़ोसी राज्यों की तुलना में काफी कम है। उनका कहना था कि राज्य सरकार को राजस्व बढ़ाने के लिए व्यापार विस्तार और निवेश आकर्षित करने पर ध्यान देना चाहिए, न कि केवल जुर्माने और छापेमारी पर निर्भर रहना चाहिए। व्यापार मंडल ने यह भी कहा कि कुछ गलत व्यापारियों की वजह से ईमानदार व्यापारी भी कार्रवाई की चपेट में आ जाते हैं। संगठन ने सरकार से मांग की कि जीएसटी विभाग और पंजाब राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा अनावश्यक उत्पीड़न से व्यापारियों को राहत दी जाए। पदाधिकारियों ने वैट और जीएसटी रिफंड में हो रही देरी पर भी चिंता जताई।

जमानत मिलने के बाद मजीठिया आए सामने, बोले- टाइगर हाले जिंदा है, वीडियो किया शेयर

अमृतसर/यूटर्न/16 जून। शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद अपनी प्रतिक्रिया साझा की। अमृतसर में 16 जून को उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से गुरु साहिब का शुकराना अदा किया और कहा कि यह सब गुरु की असीम कृपा और आशीर्वाद का परिणाम है। अपने संदेश के अंत में, उन्होंने गुरु साहिब से हमेशा सच और इंसाफ के लिए लड़ने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। उन्होंने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी आवाज हक और सच के लिए हमेशा बुलंद होती रहेगी। मजीठिया ने अपने संदेश का समापन ₹वाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह₹ के जयघोष के साथ किया। मजीठिया ने अपने संदेश में कहा, ₹कल जब मेरा फैसला आया, तो एक और फैसला आया जिसमें वे कसूरवार निकले जिन्हें भगवान भूल गया है। उन्होंने अपने अंदाज में आगे कहा, रंगे बिल्ले नू कह देओ, टाइगर हाले जिंदा है।

भाखड़ा डैम से सतलुज में 8000 क्यूसेक पानी छोड़ा, पहाड़ों में बारिश के बाद जलस्तर बढ़ा

पंजाब/यूटर्न/16 जून। पहाड़ों में बारिश और बर्फबारी के कारण भाखड़ा डैम के पीछे बनी गोबिंद सागर झील में जलस्तर बढ़ गया है। इसके चलते डैम के पानी का स्तर 1573.56 फीट तक पहुंच गया है। यह आंकड़ा मंगलवार सुबह दर्ज किया गया। इस मौसम में बिजली और पानी की मांग में भारी उछाल आया है। पिछले कई दिनों से सतलुज नदी में पानी छोड़ने की मात्रा बढ़ाई गई है और मंगलवार भी 8,000 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। पंजाब में धान का सीजन शुरू होने के कारण किसानों को नहरों के जरिए पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। इस बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए बीबीएमबी प्रशासन ने भाखड़ा डैम के सभी टरबाइन चला दिए हैं। इससे बिजली उत्पादन में वृद्धि हुई है और राज्यों की सिंचाई व पेयजल की जरूरतें पूरी हो रही हैं।

टरबाइनों से कुल निकासी 29,106 क्यूसेक...आंकड़ों के अनुसार, झील में पानी की आवक 17,256 क्यूसेक दर्ज की गई है। टरबाइनों से कुल निकासी 29,106 क्यूसेक है। इसमें श्री आनंदपुर साहिब हाइडल चैनल में 10,150 क्यूसेक और नंगल हाइडल चैनल में 12,350 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। सतलुज नदी में नंगल डैम से 8,000 क्यूसेक पानी प्रवाहित किया जा रहा है।

जमीन विवाद में फायरिंग, एक की मौत, तनावपूर्ण माहौल में पुलिस बल तैनात

अमृतसर/यूटर्न/16 जून। अमृतसर में आज जमीनी विवाद को लेकर 2 पक्षों के बीच हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। मामला देहाती पुलिस के थाना झंडेर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव सल्लोदीन (खतराई कलां) का है। जानकारी के अनुसार गांव सल्लोदीन में जमीन को लेकर चल रहे विवाद ने हिंसक रूप धारण कर लिया। विवाद के दौरान दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और देखते ही देखते एक-दूसरे पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। इस गोलीबारी में जरनैल सिंह नामक व्यक्ति को गोली लग गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घायल को अमृतसर के निजी अस्पताल में भर्ती, हालत गंभीर वहीं, दूसरे पक्ष का एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को तुरंत अमृतसर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार, उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही थाना झंडेर की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल से अहम साक्ष्य जुटाए हैं और मामले की विभिन्न पहलुओं से पड़ताल की जा रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों पक्षों के बीच जमीन को लेकर पुराना विवाद चल रहा था।

बॉलीवुड की फैशन क्वीन बनीं नुसरत, नए लुक ने बढ़ाई चर्चा

नुसरत भरुचा का लेटेस्ट लुक सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। स्टाइलिश आउटफिट और कॉन्फिडेंट पोज ने फैंस को प्रभावित किया। तस्वीरों पर हजारों लाइक्स और कमेंट्स की बाढ़ आ गई है। फैशन जगत में उनके इस लुक की खूब चर्चा हो रही है। नुसरत एक बार फिर ट्रेंडिंग स्टार बन गई हैं।

मैगी विवाद फिर चर्चा में: FSSAI के नोटिस के बाद उठे सवाल, 2015 की यादें फिर ताजा

नई दिल्ली/यूटर्न/16 जून। एक बार फिर मैगी और खाद्य सुरक्षा को लेकर बहस तेज हो गई है। सोशल मीडिया पर मैगी के एक पैकेट में कथित रूप से कीड़े/लार्वा मिलने के दावों के बाद भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (ऋ्रअक) ने नेस्ले इंडिया से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। इसी कार्रवाई के तहत ङ्ऋ, फ्लिपकार्ट इंडिया और ओपन सीक्रेट जैसी कंपनियों को भी अलग-अलग शिकायतों के आधार पर नोटिस जारी किए गए हैं। हालांकि नेस्ले इंडिया ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा है कि कंपनी द्वारा संबंधित बैच और बाजार से लिए गए नमूनों की जांच ऋ्रअकमान्यता प्राप्त लैब में करवाई गई, जिसमें किसी भी प्रकार की इंफेस्टेशन या गुणवत्ता संबंधी गड़बड़ी नहीं मिली। कंपनी का यह भी कहना है कि शिकायत करने वाले व्यक्ति से संपर्क नहीं हो सका और उन्हें मूल सैंपल भी उपलब्ध नहीं कराया गया।

लेकिन इस पूरे विवाद ने एक बार फिर 2015 के उस बड़े मैगी संकट की याद दिला दी है, जब ऋ्रअकने मैगी पर प्रतिबंध लगा दिया था। उस समय जांच और स्टॉक वापसी के कारण नेस्ले इंडिया को बड़ा आर्थिक झटका लगा था। कंपनी ने जून 2015 तिमाही में करीब 64 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा दर्ज किया था, जबकि इससे एक साल पहले इसी अवधि में कंपनी को लगभग 288 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। इसे नेस्ले इंडिया के लगभग 17 वर्षों में पहले तिमाही घाटे के रूप में देखा गया था। उस समय मैगी की बाजार से वापसी और बड़े पैमाने पर स्टॉक नष्ट करने की लागत इसका प्रमुख कारण बनी थी।

अब 2026 में नए विवाद के बीच निवेशकों की चिंता भी दिखाई दी। नोटिस और सोशल मीडिया विवाद के बाद नेस्ले इंडिया के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई और शेयर लगभग 3 प्रतिशत से अधिक टूटकर बंद हुआ। 2015 के विवाद के दौरान तत्कालीन केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने भी ऋ्रअकको कार्रवाई पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि अत्यधिक सख्त नियामकीय माहौल खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में निवेश और नवाचार को प्रभावित कर सकता है। हालांकि उस समय दूसरी ओर यह तर्क भी सामने आया था कि उपभोक्ता सुरक्षा किसी भी कंपनी—चाहे वह भारतीय हो या अंतरराष्ट्रीय—से ऊपर होनी चाहिए।

वर्तमान विवाद के बाद सोशल मीडिया पर एक बार फिर यह बहस शुरू हो गई है कि क्या भारत में खाद्य उत्पादों की निगरानी और अधिक सख्त होनी चाहिए। कई उपभोक्ता सवाल उठा रहे हैं कि क्या कंपनियों को गुणवत्ता जांच रिपोर्ट अधिक पारदर्शी तरीके से सार्वजनिक करनी चाहिए और क्या नियामकीय जांच केवल शिकायत वायरल होने के बाद ही शुरू होनी चाहिए। फिलहाल ऋ्रअककी जांच जारी है और किसी भी कंपनी के खिलाफ अंतिम निष्कर्ष या कार्रवाई सामने नहीं आई है। ऐसे में विशेषज्ञों का कहना है कि जांच पूरी होने से पहले निष्कर्ष निकालने के बजाय तथ्यों और आधिकारिक रिपोर्ट का इंतजार करना जरूरी है।

भारत की अपनी टॉमहॉक मिसाइल गेम-चेंजर साबित होगी, चीन इसकी रेंज में

चंडीगढ़/यूटर्न/16 जून। टॉमहॉक मिसाइल अमेरिकी सेना की लंबी दूरी तक हमला करने की क्षमता का मुख्य आधार रही है। 1991 के बाद से अमेरिका की हर लड़ाई में इस क्रूज मिसाइल का इस्तेमाल हुआ है, जिसमें हालिया ईरान युद्ध भी शामिल है, जहाँ तेहरान के अंदरूनी इलाकों में टारगेट पर हमला करने के लिए 49 टॉमहॉक मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया था। सोमवार को DRDO ने ओडिशा तट पर अमेरिका की टॉमहॉक जैसी ही भारत की मिसाइल का पहला सफल परीक्षण किया।

हालांकि सरकार ने इसकी क्षमताओं के बारे में कुछ नहीं कहा है, लेकिन माना जाता है कि लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल (LRLACM) की रेंज 1,000-1,500 किलोमीटर है। इसका मतलब है कि अगर इसे सीमा के पास तैनात किया जाए, तो यह मिसाइल चीन और पाकिस्तान के कई अहम सैन्य, आर्थिक और राजनीतिक केंद्रों को अपनी रेंज में ले सकती है। हम इस पर बाद में और बात करेंगे। सोमवार को रक्षा मंत्रालय ने कहा कि परीक्षण ने सभी ऑपरेशनल और टेक्निकल लक्ष्यों को पूरा किया। हालांकि, इसे सेना में औपचारिक रूप से शामिल करने में अभी दो साल लगेंगे, क्योंकि अभी और परीक्षण किए जाने बाकी हैं। खास बात यह है कि LRLACM पूरी तरह से स्वदेशी है। इस मिसाइल और इसके सब-सिस्टम को DRDO की अलग-अलग लैब और इंडस्ट्री पार्टनर्स ने मिलकर विकसित किया है। बेंगलुरु स्थित एरोनॉटिकल डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट (ADE) इसकी नोडल लैब है।

स्वदेशी टॉमहॉक कैसे गेम-चेंजर साबित होगी?...ऑपरेशन सिंदूर, रूस-यूक्रेन संघर्ष और ईरान युद्ध ने दिखाया है कि स्टैंड-ऑफ हथियारों की भूमिका कितनी अहम होती है। छफ्छअउट भारत की लंबी दूरी तक हमला करने की क्षमता को बहुत बढ़ा देगी।

माना जाता है कि LRLACM निर्भय मिसाइल प्रोग्राम का अपग्रेडेड वर्शन है, जो 2016 से कई परीक्षणों में फेल होने के कारण रुका हुआ था। इसकी खासियत यह भी है कि LRLACM को जमीनी लॉन्चर, युद्धपोत या पनडुब्बी से दागा जा सकता है और इसमें पारंपरिक या परमाणु हथियार (वॉरहेड) लगाए जा सकते हैं। बैलिस्टिक मिसाइलों के उलट, जो टारगेट की ओर तेजी से बढ़ने से पहले अंतरिक्ष तक जाती हैं, टॉमहॉक जैसी LRLACM बहुत कम ऊंचाई पर उड़ती हैं, जिससे दुश्मन के रडार और एयर डिफेंस सिस्टम के लिए इनका पता लगाना मुश्किल हो जाता है। वर वर्शन में मिशन के हिसाब से बना गाइडेंस सिस्टम है, जो इसे रुकावटों से बचकर निकलने और बहुत छोटी जगहों पर मौजूद टारगेट पर भी एकदम सटीक निशाना लगाने में मदद करता है। यही बात इस सबसोनिक क्रूज मिसाइल को गेम-चेंजर बनाती है।

डेराबस्सी में शताब्दी एक्सप्रेस के आगे कूदकर युवक ने दी जान, पहचान नहीं हुई

डेराबस्सी/यूटर्न/16 जून। डेराबस्सी के निकट रेलवे स्टेशन दप्पर-घग्गर के पास रविवार रात एक अज्ञात युवक ने शताब्दी एक्सप्रेस के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। जानकारी के अनुसार 15 जून की रात करीब 9 बजे रेलवे स्टेशन दप्पर-घग्गर के समीप एसबीपी सोसायटी के पास एक अज्ञात युवक अचानक ट्रेन नंबर 12005 अप शताब्दी एक्सप्रेस के सामने आ गया। ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) चौकी घग्गर (मुबारिकपुर) की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की।

पुलिस के अनुसार मृतक की उम्र लगभग 25 से 30 वर्ष के बीच प्रतीत होती है। उसकी शिनाख्त के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। शव को पहचान के लिए 72 घंटे तक सिविल अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। मृतक ने हरे रंग की सफेद फूलदार टी-शर्ट तथा ग्रे रंग की सफेद धारियों वाली कैपरी पहन रखी थी। दुर्घटना के कारण उसका चेहरा, सिर और आंखें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे पहचान करना मुश्किल हो रहा है। जीआरपी चौकी घग्गर के जांच अधिकारी एएसआई गुरजिंदर सिंह ने बताया कि मामले में बीएनएसएस की धारा 194 के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों और थानों में युवक की पहचान के लिए सूचना भेज रही है। यदि किसी व्यक्ति को मृतक के संबंध में कोई जानकारी हो तो वह जीआरपी पुलिस से संपर्क कर सकता है।

380 ग्राम अफीम के साथ पकड़े गए दो तस्करों से पूछताछ में सामने आया सप्लायर, 250 ग्राम और बरामद

लालड़ू/यूटर्न/16 जून। पंजाब सरकार की 'युद्ध नशों विरुद्ध' मुहिम के तहत लालड़ू पुलिस ने अफीम तस्करी के मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने पहले दो आरोपियों को 130 ग्राम अफीम सहित गिरफ्तार किया था। पूछताछ के दौरान मिले सुराग के आधार पर मुख्य सप्लायर को भी गिरफ्तार कर उसके खेतों से 250 ग्राम अतिरिक्त अफीम बरामद की गई। मामले में कुल 380 ग्राम अफीम की बरामदगी हुई है। एसएसपी एसएएस नगर हरमनदीप सिंह हंस ने बताया कि 9 जून को नाहर (लैहली) पुलिस चौकी की टीम अंबाला-चंडीगढ़ हाईवे पर झरमल नदी के पास नाकाबंदी कर वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि एक सफेद ब्रेजा कार में सवार दो व्यक्ति अफीम लेकर अंबाला की ओर जा रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने कार नंबर त्क्ष्फ-01-अढ-8187 को रोककर तलाशी ली, जिसमें गियर लीवर के पास से 130 ग्राम अफीम बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सतिंदरजीत सिंह निवासी शाहपुर और अंग्रेज सिंह निवासी मोहड़ा, जिला अंबाला (हरियाणा) के रूप में हुई। दोनों को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपियों ने खुलासा किया कि वे अफीम डेराबस्सी क्षेत्र के गांव कारकोर निवासी करम सिंह नंबरदार से लेकर आए थे। इसके बाद पुलिस ने करम सिंह को नामजद कर गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपने खेतों में बनी मोटर पर अफीम छिपाकर रखने की बात कबूल की। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर 250 ग्राम अफीम बरामद कर ली।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।
Contact - +91 9814295372